- खगड़िया संस्करण
- वर्ष: 5
- अंक: 159
- मूल्य ₹ 2.00
- पृष्ठ 06
- Reg: UDYAM-BR-17-0007168

दैनिक
बिहार पत्रिका
सच के साथ

पटना। शनिवार, 26 अक्टूबर 2024 | web_dainikbiharpatrika.com | Email_dainikbiharpatrika@gmail.com

विश्व शांति स्तूप स्थापना समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

डेस्क न्यूज़। दैनिक बिहार पत्रिका

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को नालंदा जिला के राजगीर में विश्व शांति स्तूप की स्थापना के 55वें वार्षिक समारोह में शामिल हुए। उन्होंने जापान समेत अन्य देशों से आए बौद्ध श्रद्धालुओं का स्वागत एवं अभिनंदन किया।समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बड़ी खुशी की बात है कि विश्व शांति स्तूप की स्थापना के 55वें वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया है। आप सब जानते हैं कि राजगीर में विश्व शाँति स्तूप का निर्माण वर्ष 1969 में जापान के फियूजी गुरुजी ने कराया था तथा इसका उद्घाटन 25 अक्टूबर, 1969 को तत्कालीन राष्ट्रपति वी०वी० गिरी जी द्वारा किया गया था। तब से हर वर्ष 25 अक्टूबर को यहां कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। वर्ष 2019 में विश्व शांति स्तूप के 50 साल पूरे हुये थे तब हमने तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी को दिल्ली जाकर आमंत्रित किया और वे इस कार्यक्रम में आये थे, जो बहुत बड़ा कार्यक्रम हुआ था। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान बुद्ध का राजगीर से काफी पुराना संबंध है। वे वेणुवन में रहा करते थे और फिर यहाँ से गया चले गये थे, जहाँ उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुयी और तब से उस स्थान को बोधगया के नाम से जाना जाता है। भगवान बुद्ध ज्ञान प्राप्ति के बाद 'उत्तर प्रदेश के सारनाथ' चले गये जहाँ उन्होंने पहला उपदेश दिया। उसके बाद वे पुनः राजगीर आये और यहीं पास के गृद्धकूट पर्वत पर उपदेश देने लगे। इसके बाद वे वैशाली एवं अन्य जगहों पर गये। अंत में वे बहुत बीमार हो गये थे और उत्तर प्रदेश के कुशीनगर पहुँचे जहाँ उनका महापरिनिर्वाण हो गया। उन्होंने कहा कि हमने राजगीर में भगवान बुद्ध से जुड़े सभी स्थलों का विकास कराया है। वेणुवन, जहाँ भगवान बुद्ध रहते थे, पहले वहां की स्थिति ठीक नहीं थी। इसके क्षेत्र को बढ़ाया गया है और इसका सौंदर्याकरण कराया गया है। गृद्धकूट पर्वत पर आने-जाने के लिए रास्ता को ठीक कराया गया है। घोड़ाकटोरा में पानी के बीच में भगवान बुद्ध की 50 फीट ऊँची प्रतिमा लगायी गयी है। इसके अलावा पटना में बुद्ध स्मृति पार्क एवं बुद्ध स्तूप का निर्माण कराया गया है। वैशाली में बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय का निर्माण अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि राजगीर से हमारा पुराना रिश्ता है। हम बचपन से ही यहां आते रहे हैं। सरकार में आने के बाद वर्ष 2008 में हम राजगीर में 7 दिन रहे थे और सभी जगह गये थे। यहीं पर विश्व शांति स्तूप के बगल में कैबिनेट की बैठक करायी थी। राजगीर में विकास के सभी काम करा दिये गये हैं, अब लोगों को बहुत सुविधायें हो गयी है और अब राजगीर आनेवाले लोगों की संख्या बहुत बढ़ गयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजगीर के पहाड़, जिन्हें पंच पहाड़ी कहते हैं, करोड़ों वर्ष पुराने हैं। पहले यहाँ पेड़-पौधे बहुत कम थे। हमने यहाँ पर वृक्षारोपण कराया है, अब पहाड़ों पर हरियाली काफी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि यहाँ जू-सफारी, नेचर सफारी एवं ग्लास ब्रिज का निर्माण कराया गया है। राजगीर से 5 धर्मों का संबंध रहा है, जिनमें हिन्दू, मुस्लिम, बुद्ध, जैन एवं सिख शामिल हैं। हमने सभी धर्मों के स्थलों का विकास कराया है। यहाँ कुण्ड हैं जिसमें से गर्म पानी निकलता है। मुस्लिम धर्म के महान सूफी संत मखदूम साहब कुण्ड का भी विकास कराया गया है। यहाँ हर तीसरे वर्ष हिन्दू धर्म के मलमास मेला का आयोजन किया जाता है। पिछले साल वर्ष 2023 में मलमास मेले में सभी सुविधाएँ मुहैया करायी थी तो 3 करोड़ से अधिक लोग यहाँ आये थे। बौद्ध धर्म से जुड़े स्थलों वेणुवन का विस्तारीकरण एवं सौंदर्गीकरण कराया गया है तथा गृद्धकूट पर्वत जाने का रास्ता ठीक कराया गया है। जैन धर्म के भगवान महावीर से जुड़े स्थलों पर जाने के लिए रास्ते बनाये गये हैं। सिख धर्म के गुरु नानक देव जी यहाँ आये थे। यहाँ 'शीतल कुण्ड गुरुद्वारा' बनाया गया है। उन्होंने कहा कि विश्व शांति स्तूप की स्थापना के 55वें वार्षिक समारोह में पधारे सभी लोगों को मैं धन्यवाद देता हूँ। इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए राजगीर बुद्ध विहार सोसायटी को भी धन्यवाद देता हूँ। मुख्यमंत्री ने विश्व शांति स्तूप की परिक्रमा की औ र भगवान बुद्ध की पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।कार्यक्रम को वाइस चेयरमैन, राजगीर बुद्ध विहार सोसायटी तथा चेयरमैन बोर्ड ऑफ डायरेक्टर सी०जी०सी० कंपनी लिमिटेड ऑफ जापान श्री अत्शुहिरो होरीयुची ने भी संबोधित किया।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का स्वागत मोमेंटो एवं अंगवस्त्र भेंटकर किया गया। मुख्यमंत्री को परम पावन दलाई लामा के द्वारा भेजे गए उपहार को भेंट किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राजगीर विश्व शांति स्तूप से जुड़े चीफ मांक एंड वाइस चेयरमैन, राजगीर बुद्ध विहार सोसायटी अत्शुहिरो होरीयुची तथा सी०ई०ओ०, सेंटोकू कंपनी लिमिटेड केनसुके होरीयुची को प्रतीक चिह्न एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने विश्व शांति स्तूप, राजगीर के 55वें वर्षगांठ के अवसर पर रोप-वे के निकट नवनिर्मित एकीकृत भवन का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। और हरी झंडी दिखाकर स्वच्छ राजगीर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जल संसाधन सह प्रभारी मंत्री, नालंदा जिला विजय कुमार चौधरी, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रेम कुमार, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार,समेत कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

70 लाख के चांदी के साथ 04 को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका। कटिहार

धनतेरस से पहले बिना हॉल मार्का एवं बिना कागजात के तकरीबन 66 किलो चांदी के साथ चार लोगो को कटिहार पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस संबंध में कटिहार एसडीपीओ अभिजीत सिंह ने बताया है कि नगर थाना क्षेत्र के राजेंद्र प्रसाद रोड स्थित कटिहार बोर्डिंग से इन चारो को गिरफ्तार किया गया है,गिरफ्तार लोगो के पास से सात बैग मे चांदी के आभूषण बड़ी खेप बरामद हुई है जिसे पुलिस ने जप्त किया है। चांदी के इस खेप का अनुमानिक मूल्य लगभग 60 से 70 लाख है और इससे जुड़ा हुआ कोई वैध कागज इन लोगो के पास नहीं मिला है,गिरफ्तार सभी लोग पश्चिम बंगाल के नदीया जिले के रहने वाले हैं।

सर्पदंश से एक महिला मौत

दैनिक बिहार पत्रिका/संवाददाता

कटिहार जिले के सेमापुर थाना क्षेत्र के बरेटा पंचायत टप्पू गांव में एक 54 वर्षीय महिला की सर्पदंश से मौत हो गई। वही बताया जा रहा है कि बरेटा पंचायत टप्पू गांव के निवासी देवबंद मंडल की 54 वर्षीय पत्नी सुनीता देवी जो घर के बगल में लकड़ी चुने के गई हुई थी कि इसी दौरान सांप ने उसे डस लिया। उसे अस्पताल पहुंचाया जाता तब तक पूरे शरीर में विष फैल चुका था। जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई। वही सेमापुर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाने के लिए सदर अस्पताल कटिहार भेज दिया है। वही बरेटा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि जोहर आलम ने बताया कि बरेटा पंचायत टप्पू गांव निवासी देवबंद मंडल की 54 वर्षीय पत्नी सुनीता देवी सर्पदंश से मौत महिला की मौत हो गई है। वही सेमापुर थाना अध्यक्ष हरिप्रसाद यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिया गया है।

अपराध की योजना बना रहे चार अपराधी पिस्तौल और कारतूस के साथ गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका /प्रतिनिधि

छपरा| अपराध की योजना बना रहे चार अपराधियों को हथियार और गोली के साथ सोनपुर पुलिस थाना ने गिरफ्तार किया गया है। एसपी डॉ कुमार आशीष ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी अपराध की योजना बना रहे हैं। वहीं थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम ने कार्रवाई करते हुए चारों को गिरफ्तार कर लिया। इन सभी की गिरफ्तारी एनएच 19 पर रिमझिम होटल के पास की गई है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए अपराधी चार पहिया वाहन से थे। सभी अपराधी हरिहरनाथ थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। इनमें सुजीत कुमार सिंह, रजनीश कुमार उपाध्याय, श्रवण कुमार व फारूकी अंसारी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन अपराधियों के पास से एक देशी पिस्तौल, दो जिंदा कारतूस, दो मोबाइल, एक कार जब्त किया गया है। छापेमारी टीम में सोनपुर थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर राजनंदन, पीटीसी सुनील कुमार सिंह व अन्य पुलिस पदाधिकारी और जवान शामिल थे। पकड़े गए अपराधियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट व अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एसपी ने बताया कि जिले में अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। सक्रिय अपराधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। यही कारण है कि घटना को अंजाम देने से पहले अपराधी पकड़े जा रहे हैं।

ऑर्केस्ट्रा संचालक के चंगुल से दो नाबालिग लड़कियों को छुड़ाया

दैनिक बिहार पत्रिका/प्रतिनिधि

पॉस्को एक्ट व अन्य संगीन धाराओं में मामला दर्ज

छपरा| जनता बाजार पुलिस, बाल कल्याण समिति व चाइल्ड हेल्प लाइन की टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर दो नाबालिग लड़कियों का सुरक्षित छुडाने में सफलता पाई। दोनों नाबालिगों को अलग-अलग ऑर्केस्ट्रा संचालक के आवास से बरामद किया गया। पुलिस ने मौके से एक ऑर्केस्ट्रा संचालक को गिरफ्तार किया है जबकि दूसरे ऑर्केस्ट्रा ग्रुप का संचालक फरार हो गया। गिरफ्तार ऑर्केस्ट्रा संचालक लहलादपुर गांव का मुकेश प्रसाद बताया गया है। पुलिस ने दोनों नाबालिग लड़कियों के बारे में उनके परिजनों को सूचित किया है। नाबालिग लड़कियों में एक पंजाब के जालंधर की है जबकि दूसरी नाबालिग लड़की कोलकाता के मंगरा हाट की बतायी गयी है। नाबालिगों ने पुलिस को बताया कि ऑर्केस्ट्रा संचालक जबरन अश्लील गानों पर डांस करवाते हैं। अश्लील डांस करने के लिये शारीरिक व मानसिक यातनायें देते हैं। जानकारी के मुताबिक जनता बाजार, नदिया पार आदि जगहों पर संचालित कई ऑर्केस्ट्रा संचालक के आवास पर टीम ने छापा डाला। हालांकि पुलिस टीम की छापेमारी की सूचना पहले ही लीक हो गयी जिससे बड़ी सफलता हाथ नहीं लगी। छापेमारी की सूचना मिलने के बाद अधिकतर संचालकों ने आवास में मौजूद लड़कियों को दूसरे जगह पर शिफ्ट कर दिया था। पुलिस ने पॉस्को एक्ट व अन्य संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया है।

सुपौल: चक्रवाती दाना तूफान का छातापुर में भी दिखा प्रभाव, धान की फसल को पहूंचा व्यापक नुकसान

दैनिक बिहार पत्रिका/प्रतिनिधि

सुपौल। बीते बुधवार की रात तेज हवा के साथ हुई बारिश में अंचल क्षेत्र में धान की फसल को व्यापक नुकसान पहूंचा है। गुरूवार की सुवह किसान जब खेत पहूंचे तो धान की खड़ी फसल को जमीन पर गिरा देख निराश हो गये। बाली आ चुके फसल को खेत में धराशाई हो जाने से किसानों के बीच मायूसी छा गई है। बेमौसम हुई हवा के साथ बारिश ने किसानों के उम्मीदों पर पानी फेर दिया। जानकारी अनुसार अंचल क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में सैकड़ों एकड़ में खड़ी घान की फसल को नुकसान पहूंचा है। नुकसान से फसल की उपज पर प्रतिकूल असर तय है। किसान सुभाष कुमार यादव, जयनारायण सिंह, महानंद यादव, छातापुर निवासी समुल साफी, मालिक पासवान, प्रमोद बहरखेर, संतोष भगत, संजय भगत, महम्मदगंज के श्रवण मेहता, सुवोध मेहता आदि ने बताया कि खेत में खड़ी धान की अधिकांश फसल में बाली आ गये थे और दाना फूट चुका था। खेत में लहलहा रहे फसलों को देखकर किसानों की बांछें खिली हुई थी। लेकिन बेमौसम हवा और बारिश प्रभावित फसल को देखकर किसान हताश हो गये हैं। कृषकों ने प्रशासन से प्रभावित फसलों की स्थलीय जांच करवाने तथा आकलित क्षति का उचित मुआवजा देने की मांग की है। इस संदर्भ में सीओ राकेश कुमार ने पुछने पर बताया कि प्रभावित इलाके में कृषि सलाहकार के द्वारा क्षति का आकलन करवाया जायेगा। इसके लिए बीएओ से अनुरोध किया गया है।

विद्युत स्पर्शाघात से युवक की मौत, परिजनों में कोहराम

संवाददाता/समस्तीपुर

खुद सब्जी बेचकर करता था पढ़ाई, आईएएस बनने का राहुल का था सपना

विद्यापतिनगर। प्रखंड के सिमरी पंचायत से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां शुक्रवार की शाम विद्युत स्पर्शाघात से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे एक छात्र की मौत हो गई। मृतक छात्र की पहचान सिमरी पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 10 निवासी संजय कुमार महतो के पुत्र राहुल कुमार (25 वर्ष) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि राहुल घर में बिजली का बल्ब लगा रहा था, इसी क्रम में वह बिजली के संपर्क में आ गया। करंट लगने की सूचना पर उसे आनन-फानन में निकट के एक निजी क्लिनिक में ले जया गया। बाद में उसे बेहतर इलाज के लिए पीएचसी लाया गया, लेकिन तबतक उसकी मौत हो चुकी थी। युवक की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा है, परिवार के लोगो का रो-रोकर कर बुरा हाल है। मुखिया प्रतिनिधि विजय कुमार राय ने बताया कि राहुल के पितासंजय कुमार महतो पटना में रहकर मजदूरी करता है, जबकि राहुल स्वयं सब्जी की खेती करता था तथा उसे हाट में स्वयंबेचकर परिवार का भरण-पोषण करने के साथ अपनी पढ़ाई का खर्च निकालता था। लोग बताते हैं कि राहुल पढ़ाई में काफी मेधावी था, उसने 10वीं और 12वीं की परीक्षा अच्छे अंकों स उत्तीर्ण की थी। राहुल प्रतिदिन लाइब्रेरी में घंटों बैठकर संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी करता था। राहुल अपने दिल में आईएएस बनने का सपना संजोए हुए था, लेकिन उसकी असामायिक मौत से राहुल तथा उसके परिजनों का सपना साकार नहीं हो सका।

राज्यस्तरीय (अंतर जिला)कराटे प्रतियोगिता अंडर 14 बालक वर्ग में आयुष राज ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया

दैनिक बिहार पत्रिका/ प्रतिनिधि

वैशाली| खेल विभाग ,बिहार ,बिहार राज्य खेल प्राधिकरण ,पटना एवं जिला प्रशासन, समस्तीपुर के संयुक्त तत्वावधान में राज्यस्तरीय कराटे प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में वैशाली के प्रतिभागियों ने अपना परचम लहराया। सामर्थ स्कूल ,हाजीपुर के आयुष राज , पिता -अजय कुमार ने -60 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। वहीं संत जोसेफ स्कूल के उपलक्ष्य कुमार, पिता -दीपक कुमार साह ने -40 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक तथा विद्या निकेतन स्कूल के यथार्थ मंणिरूप , पिता -रुपेश कुमार ने +60 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। इस प्रतियोगिता के टीम कोच रवि कुमार राय एवं टीम प्रभारी राजा कुमार हैं। इस सफलता पर जिला पदाधिकारी वैशाली ने पूरी टीम को बधाइयां देते हुए शुभकामनाएं दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है । इसके साथ ही जिला खेल पदाधिकारी ,वैशाली एवं समस्त समाहरणालय के पदाधिकारियों ने राज्यस्तरीय कराटे प्रतियोगिता में सफलता पर बधाइयां दी है। शैक्षणिक सत्र 2024- 25 में वैशाली जिले के प्रतिभागियों ने खेल के विभिन्न विधाओं में बेहतर प्रदर्शन करते हुए कई पदक जीतकर अपने जिला का नाम गौरवान्वित किया है। जो भी प्रतिभागी स्वर्ण पदक विजेता हैं उन्हें राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिलेगा।

सोनपुर मेला क्षेत्रों का एसपी ने लिया जायजा,दिया आवश्यक दिशा-निर्देश

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

आगामी कार्तिक मास में लगने वाले विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला-2024 से संबंधित मेला क्षेत्रों का एसपी ने जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल दंडाधिकारी, सोनपुर एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सोनपुर भी रहें मौजूद । पुलिस अधीक्षक द्वारा पहलेजा थाना एवं हरिहरनाथ थाना क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अनुमंडल पुलिस पदाधिकरी एवं अंचल पुलिस निरीक्षक उपस्थित रहे। उक्त थाना के निरीक्षण के दौरान थाना भवनों के साथ ही थाना के सभी अभिलेखों एवं पंजीयों की जाँच कर अभिलेखों व पंजीयों के संधारण में मिली त्रुटियों के सुधार करने, लंबित कांडो का समीक्षा कर त्वरित निष्पादन करने एवं थाना में साफ-सफाई रखने सहित कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही महिला हेल्प डेस्क में प्रतिनियुक्त महिला पुलिस पदाधिकारी/कर्मी को महिला परिवादी से शालिनता पूर्वक व्यवहार करने तथा उनके समस्याओं के निराकरण हेतु आवश्यक विधि-सम्मत कार्रवाई करनेहेतु निर्देश दिया गया। थाना निरीक्षण के बाद पुलिस अधीक्षक, सारण द्वारा कार्तिक पूर्णिमा स्नान से प्रारंभ हो कर अगले एक माह तक चलने वाली आगामी हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला-2024 के दृष्टिगत् मेला क्षेत्रों, पहलेजा घाट, हरिहरनाथ थाना क्षेत्र एवं स्नान घाटों का निरीक्षण किया गया।

मेला के दौरान श्रद्धालुओं के सुविधा व सुरक्षा हेतु, मेला के दौरान भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक प्रबंधन, घाटो को बैरीकेडिंग व एनडीआरएफ टीम की तैनाती, पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति का जायजा लिया गया एवं इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

जन प्रतिनिधि का भेंट चढ़ा केनुआर से सुइयां मार्ग, दलदल में चलने को मजबूर राहगीर

दैनिक बिहार पत्रिका/उमाकांत साह

चांदन/बांका:- बांका जिले को चहुंमुखी विकास विकास एवं सड़क मार्ग को सुगम कराने का दावा करने वाले मुखिया विधायक, से लेकर स्थानीय नेता बांका लोकसभा सांसद कि अब पोल खुलने लगी है, ऐसे तो पंचायत से लेकर लोकसभा चुनाव में गांव कस्बों में बसने वाले लोगों से विकास करने के नाम जनप्रतिनिधि बड़े बड़े दावा तो करते हैं। लेकिन चुनाव समाप्त होते ही चुनावी वायदों को ताख पर रखकर सरकारी पैसों को क्षेत्रीय भ्रमण और लोगों से जनसंपर्क करने के नाम पर मोटी मोटी रकम प्राप्त करने में के जन समुह का फोटो अपने वरीय पदाधिकारी एवं पार्टी दल को भेजने में जरा भी देर करना नहीं चाहते हैं। उदाहरण के तौर पर बांका जिले चांदन प्रखंड कि बात सामने आई है। बता दें कि असोढ़ा पंचायत के केनुआर गांव से सुइयां जाने वाली मुख्य मार्ग है। जहां क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि के कारण यह मार्ग आज भी आजादी के 75 साल बाद भी, इस मार्ग से गुजरने वाले लोग पगडंडी और दलदली रास्ते के बीच चलने को मजबूर है। जबकि इसी मुख्य मार्ग लोगों का एक विकल्प है, जो भैरोगंज बाजार होते हुए सुइयां जाने वाली मार्ग से जुड़ा हुआ है। कुछ दूर भैरोगंज बाजार से केनुआर गांव तक पक्की सड़क बना हुआ है। लेकिन केनुआर से गोंनरा तक जाने वाली मार्ग पथरीली और कच्ची मार्ग के बीच दल-दल और गड्ढे कुछ और बंया कर रही है। जिससे क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के प्रति ग्रामीणों को सवाल उठाना लाजिमी है। ग्रामीण शालिग्राम यादव, राजेंद्र यादव विनय यादव लखन यादव,बद्री यादव, रघुनाथ यादव आदि क्षेत्र के लोगों ने बताया कि इसी मार्ग से हम-लोग चांदन देवघर सिमुलतला कटोरिया टेलवा बाजार, सुइयां, सुल्तानगंज, भागलपुर, आदि बाजार आना-जाना लगा रहता है। इसी कच्ची मार्ग से टेलवा बाजार से सुइयां बोड़वा जाने के लिए यात्री भरे सवारी यात्रा करता है। इस मार्ग पर कई दुर्घटना घटित हो रहा है, इस मार्ग को बनाने के लिए वर्तमान विधायक मनोज यादव से लेकर स्थानीय सांसद गिरधारी यादव से कई बार गुहार लगाया, लेकिन आज तक इस मार्ग के प्रति ध्यान नहीं दिया गया है। आगे ग्रामीणों ने बताया कि खबर के माध्यम से जिला पदाधिकारी बांका अंशुल कुमार को अवगत कराना चाहता हूं कि केनुआर से गोनरा मार्ग बनाया जाए, ताकि लोगों को यातायात व्यवस्था सुदृढ़ हो सके। जबकि इसी मार्ग में पुर्वी कटसकरा पंचायत अवस्थित श्री श्री 108 पहाड़ नाथ बाबा मंदिर है जहां रोज हजारों श्रद्धालु पुजा करने बाइक और चार चक्का वाहन लेकर आते जाते हैं।

अंडर 19 फुटबॉल टीम के विजेता के खिलाड़ियों को किया गया सम्मान

दैनिक बिहार पत्रिका/ प्रतिनिधि

बांका:- जिला प्रशासन,बांका के द्वारा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जीतने वाले अंडर 19 फुटबॉल टीम के विजेता के खिलाड़ियों के लिए समाहरणालय परिसर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। गौरतलब है कि बांका की टीम ने दिनांक 17 से 24 अक्टूबर तक खगड़िया में आयोजित राज्यस्तरीय फुटबॉल अंडर 19 प्रतियोगिता में सभी टीम को पराजित करते हुए फाइनल में मेज़बान खगड़िया को ट्राइबेकर में 4- 3 से पराजित कर विजेता का खिताब हासिल किया। मुख्य अतिथि - सह - खेलमंत्री सुरेन्द्र मेहता ने सभी खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र,मेडल एवं नगद पुरस्कार से सम्मानित किया। सभी खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को ₹2000 का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। खिलाड़ियों को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपनी पहचान बनाने और बांका जिला का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दी गई।

इस दौरान सभी खिलाड़ी उत्साहित थे और राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जीतने के लिए प्रतिबद्ध है। इस मौके पर मंत्री जयंत राज, सांसद गिरधारी यादव,सभी विधायक, जिला पदाधिकारी बांका, पुलिस अधीक्षक,बांका, सहित सभी वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। अधीक्षक शारीरिक शिक्षा, बांका बबन कुमार द्वारा कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया, जिसमें अवर योजना पदाधिकारी, गौतम कुमार, प्रदीप कुमार,योजना सहायक विकास कुमार,खेल शिक्षक चंदन कुमार,चंदन चौधरी, अमित कुमार ,गौरव, सुभाष आशीष आदि का भरपूर सहयोग रहा।

पान महासंघ की हुई बैठक, आंदोलन का लिया निर्णय

दैनिक बिहार पत्रिका/ प्रतिनिधि

बांका:- शुक्रवार को फुल्लीडुमर प्रखंड क्षेत्र के चौडांड़ गांव में अखिल भारतीय पान महासंघ की बैठक बुजुर्ग ग्रामीण क्षत्रिय तांती की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें नेताओं ने पान समाज को अनुसूचित जाति वर्ग से हटा कर अति पिछड़ा वर्ग में शामिल करने को ले कर सरकार के खिलाफ अपनी भड़ास निकाली। महासंघ के जिला सचिव विवेका नंद तांती ने कहा कि सरकार द्वारा उनके समाज की बार बार उपेक्षा की जा रही है। यह असहनीय है ।इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा। इसके लिए आगे 12 जनवरी 2025 में प्रमंडलीय कार्यालय के समक्ष निर्धारित धरना प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर युवाओंसे अपनी एकता एवं ताकत दिखाने का आह्वान किया । जिलाध्यक्ष गौतम तांती ने भी युवाओं को आह्वान करते हुए कहा कि अपने समाज के उत्थान के लिए युवाओं को आगे आना होगा ,इसके लिए उपस्थित सदस्यों से निर्धारित आंदोलन में भाग लेने की अपील की। उन्होंने सरकार की गलत नीति का विरोध करना हमारा धर्म है और अपने समाज के प्रति कर्तव्य भी। इसके पूर्व बैठक में प्रखंड समिति का सर्वसम्मति से गठन किया गया। सर्वसम्मति से चौडांड़ निवासी प्रमोद तांती अध्यक्ष,राजकुमार तांती सचिव,धनेश्वर तांती महासचिव,कैलाश तांती (मंत्री) ,दुःखी तांती (महामंत्री)मनोनीत किये गए।

जीप सदस्य ने पूर्व विधायक एवं पूर्व प्रमुख को दी श्रद्धांजलि

दैनिक बिहार पत्रिका/ प्रतिनिधि

बांका:- शुक्रवार को बिहार ज़िला पार्षद संघ के अध्यक्ष सह फुल्लीडुमर उत्तरी जीप सदस्य विश्वजीत दीपांकर प्रखंड के भितीया पंचायत अन्तर्गत गेडाटिकर गाँव स्थित आवास पर जाकर कटोरिया के पूर्व विधायक एवं पूर्व प्रमुख जय प्रकाश मिश्र के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी एवं अपनी शोक संवेदना व्यक्त की उन्होंने कहा कि स्व मिश्र जी जी का परिचय दिवंगत पूर्व सांसद दिग्विजय बाबू द्वारा सन् 2008 ईस्वी में घर पर जाकर कराया था। वह मेरे पारिवारिक सदस्य एवं उनके लिए प्रेरणाशोत्र थे। जब भी कभी मौका मिलते थे कुछ न कुछ नई बात सीख ही लेते थे। उनकी कमी सदा हमे खलेगी। वे महा पुरुष थे। ईमानदारी एवं नैतिकता तो उनके खून में था। ऐसे लोग कभी भी ही जन्म लेते हैं धरती पर। मौके पूर्व मुखिया बिनोद मिश्र ,किशोर मिश्र सहित सारे पारिवारिक सदस्यो से मिलकर संवेदना व्यक्त किये।

कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा मनाया गया प्रक्षेत्र दिवस

दैनिक बिहार पत्रिका/ प्रतिनिधि

बांका:- कृषि विज्ञान केंद्र बांका द्वारा प्रक्षेत्र दिवस मनाया गया। इस दिवस मे कटोरिया स्तिथ सातो गांव को चुना गया जो सुदूरवर्ती ग्राम मे आता है एवं आदिवासी बाहुल्य गाव है। दूर दराज के गांव मे कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा मूंगफली की खेती सफलता पूर्वक करवाया जा रहा है। यहा भी मूंगफली की फसल तैयार है एवं इसकी खेती से सम्बन्धित जानकारी साझा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सबौर् कृषि विश्व विद्यालय के कुलपति महोदय ने किया। कार्यक्रम मे अभय मानकर उप निदेशक प्रसार,कृषि विश्वविद्यालय, आर० इन० सिंह, मुहम्मद फिज़ा अहमद्, विपुल विपलव, आत्मा बांका, कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक वृजेन्दु कुमार, साथ मे अन्य वैज्ञानिक लोगो ने भाग लिया। आस पास के करीब तीन सौ कृषकों ने कार्यक्रम मे भाग लिया। कुलपति महोदय ने कार्यक्रम मे आज घोसणा की की सातो गांव को आज की तारीख से गोद लिया जा रहा है एवं आगे भी हरसंभव मदद किसानों को मिलेगी। रबी मौसम में कृषि योग्य भूमि पर लगाए जाने वाले किसी भी फसल का बीज सभी को मुफ्त मे वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम में आय में कैसे किसान लोग वृद्धि करेंगे इसपर विस्तार से चर्चा हुई। सभी ग्रामवासियों मे उत्साह देखने को मिला।

छठ घाट पर स्वच्छता कर्मियों द्वारा किया गया साफ-सफाई

दैनिक बिहार पत्रिका/ प्रतिनिधि

बांका:- आस्था व विश्वास का पर्व छठ पूजा की व्यापक तैयारी शुरू हो गई है। पर्व को लेकर छटघाटों में साफ सफाई की जा रही है। पूर्वांचल सहित बिहार वासियों द्वारा मनाए जाने वाले इस पर्व में सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर सुख समृद्धि का आशीर्वाद लिया जाता है। मान्यता के अनुसार दीपावली के छठवें दिन मनाए जाने वाला छठ पूजा को लेकर लोगों में अपूर्व उत्साह देखा जा रहा है। शहर के समस्त छठ घाटों में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों में साफ सफाई की जा रही है। जिसको लेकर जिला प्रशासन भी सक्रिय है।जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार के निर्देश पर प्रखंड बेलहर ग्राम पंचायत तरैया बिच्छीबहियार छठ घाट पर स्वच्छता कर्मियों द्वारा साफ-सफाई किया गया।

तीन लोगों पर बिजली चोरी की दर्ज हुई प्राथमिकी

दैनिक बिहार पत्रिका/संवाददाता

फुल्लीडुमर/बांका:- शीर्ष पदाधिकारी के निर्देश पर विद्युत आपूर्ति प्रशाखा फुल्लीडुमर के कनीय विद्युत अभियंता अभिषेक कुमार ने बिजली चोरी के खिलाफ 9 सदस्यी छापेमारी दल का गठन करते हुए छापेमारी की। जहां छापेमारी के दौरान तीन बिजली उपभोक्ताओं के स्मार्ट मीटर का रिचार्ज खत्म होने पर अलग से तार लगाकर बिजली चोरी करते पकड़ा गया। वहीं बिजली चोरी में पकड़े गए तीनों लोगों पर विद्युत आपूर्ति प्रशाखा फुल्लीडुमर के कनीय विद्युत अभियंता अभिषेक कुमार पासवान ने जुर्माना लगाते हुए फुल्लीडुमर थाने में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार फुल्लीडुमर थाना क्षेत्र के भेलवातरी गांव के कैलाश तांती पिता आशु तांती पर 32918 रुपए, उर्दावरी गांव के बिगन यादव पिता स्वर्गीय डूब्बा यादव पर 10229 रुपए एवं धाबावरण गांव के नागेश्वर यादव पिता चंद्र यादव पर 4517 रुपए

का जुर्माना लगाते हुए बिजली चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई है। वहीं विभाग की इस कार्रवाई से चोरी छिपे बिजली जलाने वाले उपभोक्ताओं में हड़कंप मचा हुआ है।

जिला कृषि भवन के सभागार में मृदा स्वास्थ कार्ड का किया गया वितरण

दैनिक बिहार पत्रिका/ प्रतिनिधि

बांका:- आकांक्षी जिला बांका के किसानों को शुक्रवार को जिला कृषि भवन के सभागार में मृदा स्वास्थ कार्ड का वितरण किया गया। इस अवसर पर किसानों को आने वाली फसलों में मृदा स्वास्थ्य कार्ड की अनुसंशा के अनुरूप ही उर्वरक का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। सहायक निदेशक (रसायन) ने बताया कि पूरे जिला में युद्ध स्तर पर कैंप लगाकर किसानों को मृदा स्वास्थ के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें जैविक खेती करने हेतु भी प्रोत्साहित किया जायेगा। जिला मिट्टी जाँच प्रयोगशाला कुल बारह पारामीटर पर मिट्टी नमूना जांच कर किसानों को मृदा स्वास्थ कार्ड उपलब्ध करवाता है। इस वर्ष जिले में कुल 10300 मृदा स्वास्थ कार्ड का निर्माण कर वितरित करना है, जिसमें से लगभग 7200 कार्ड का वितरण किया जा चुका है। अगर किसान कार्ड में की गयी अनुशंसा के अनुरूप खेती करेंगे तो ना ही मिट्टी का स्वास्थ सुधरेगा बल्कि उनके उपज की गुणवत्ता व मात्रा भी अच्छी होगी।

राइस मिल का किया गया भौतिक सत्यापन

दैनिक बिहार पत्रिका/ प्रतिनिधि

बांका:- धान अधिप्राप्ति 2024 25 हेतु गुणवत्ता युक्त चावल लेने हेतु जिला पदाधिकारी बांका अंशुल कुमार के निर्देश पर शुक्रवार को बांका जिला अंतर्गत बाराहाट प्रखंड के राइस मिल का भौतिक सत्यापन किया गया। जिसमें बाराहाट प्रखण्ड अंतर्गत सारदा राम राइस मिल का सत्यापन संयुक्त जांच टीम के द्वारा किया गया|

जिसमें वरीय उप समाहर्ता अधिप्राप्ति अंकित कुमार और जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम बांका रंजन कुमार राजीव के अतिरिक्त संबंधित मिल के प्रोपराइटर भी थे।

कोर्ट के आदेशानुसार आधे दर्जन अभियुक्तों के घर की गई कुर्की जप्ती

दैनिक बिहार पत्रिका/संवाददाता

फुल्लीडुमर बांका:- गुरुवार को हत्या के मामले में फरार चल रहे फुल्लीडुमर थाना क्षेत्र के नगरडीह गांव के आधा दर्जन अभियुक्तों के घर देर शाम फुलीडूमर थाना की पुलिस द्वारा कुर्की जप्ती की कार्रवाई की गई। कुर्की जप्ती के दौरान पुलिस ने आरोपी को के घर का दरवाजा, खिड़की, चौकी, खटिया, बर्तन सहित घर के अन्य सामान की कुर्की कर ट्रैक्टर पर लोड कर पुलिस थाना ले आई। कुर्की जप्ती की इस कार्रवाई में फुल्लीडुमर ,अमरपुर, शंभूगंज एवं खेसर थाना के थाना अध्यक्ष के अलावा चारों थाना के पुलिस जवान शामिल थे। वहीं इस संबंध में जानकारी देते हुए फुल्लीडुमर थाना अध्यक्ष बबलू कुमार ने बताया कि व्यवहार न्यायालय बांका के आदेश अनुसार नगरडीह गांव के आरोपित जुल्मी पनियारा, नंदू पंजियारा, दिलीप पंजियारा ,जगत राम पंजियारा ,नवीन पनियारा एवं रविंद्र पंजियारा के घर की कुर्की जप्ती की गई। उक्त सभी अभियुक्त के विरुद्ध थाने में हत्या का मामला दर्ज है। दर्ज कांड के बाद से ही सभी फरार चल रहे थे।

पुलिस ने दो एनबीडब्ल्यू वारंटी को किया गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका/संवाददाता

पंजवारा/बांका:- गुरुवार रात पंजवारा थाना पुलिस ने दो एनबीडब्ल्यू वारंटि कोगिरफ्तार किया। पंजवारा थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि समकालीन अभियान में थाना क्षेत्र के पंजवारा निवासी नारायण दास पिता गुणेश दास एवं रामकोल निवासी मिस्टर यादव पिता सरगुन यादव के विरुद्ध सक्षम न्यायालय से गैर जमानतीय वारंट जारी हुआ था जिसके आलोक में दोनों को गुरुवार रात गिरफ्तार कर पंजवारा थाना लाया गया एवं शुक्रवार सुबह न्यायिक हिरासत में बांका भेज दिया गया।

बांका जिला के 20 नवचयनित महिला पर्यवेक्षिका को दिया गया नियुक्ति पत्र

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- समाज कल्याण विभाग के तहत आई.सी.डी.एस. अंतर्गत जिला प्रशासन बांका के तत्वाधान महिला पर्यवेक्षिका कि सीधी भर्ती के क्रम में शुक्रवार को बांका जिला के 20 नवचयनित महिला पर्यवेक्षिका के नियुक्ति पत्र वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे 16 नवचयनित महिला पर्यवेक्षिका को प्रभारी मंत्री सह खेल मंत्री सुरेन्द्र मेहता,भवन निर्माण मंत्री जयंत राज, सांसद गिरधारी यादव, विधायक राम नारायण मंडल, विधायक भूदेव चौधरी, विधायक मनोज कुमार यादव, जिला परिषद अध्यक्ष राजेन्द्र यादव, जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. सत्य प्रकाश द्वारा नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। नवचयनित महिला पर्यवेक्षिका को नियुक्ति पत्र काजल कुमारी, शुभांगी, गुडिया कुमारी, मधु कुमारी, निकिता आनंद, नेहा रानी, नंदनी कुमारी, सुमन किरण, रतन कुमारी, नर्मदा कुमारी, सुप्रिया राज,

स्नेहा भारती, कुमारी भारती, रिया चौधरी, पूनम चौधरी एवं पूजा कुमारी को मंत्री, सांसद, विधायक के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार, पुलिस अधीक्षक डॉ. सत्य प्रकाश, उप विकास आयुक्त अंजनि कुमार, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आई सी डी एस रेणु कुमारी, जिला परियोजना प्रबंधक महिला एवं बाल विकास निगम राजीव रंजन एवं जिले के सभी वरीय पदाधिकारी, आई सी डी एस के सहकर्मी उपस्थित रहे। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह के अवसर पर "बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ" को चरितार्थ करते हुए सेल्फी पॉइंट पर सभी ने अपने – अपने तस्वीर लिये साथ ही "मेरी बेटी-मेरा अभिमान" को साबित किया।

उड़ान परियोजना के अंतर्गत सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम की की गई शुरुआत

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- बिहार सरकार के समाज कल्याण विभाग ,महिला बाल विकास निगम और यूनिसेफ के सहयोग से प्रथम संस्था द्वारा संचालित किशोर किशोरी सशक्तिकरण कार्यक्रम "उड़ान परियोजना" के अंतर्गत बौंसी प्रखण्ड के असनाहा और अंगारु जबड़ा पंचायत के महादलित टोला में विकास मित्र शिवनारायण भारती एवं विकास मित्र पूनम कुमारी की सहायता से सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोर-किशोरी समूह को सशक्त बनाना और उनके द्वारा पंचायत के लोगों को सामाजिक कुरीतियों जैसे बाल विवाह, बाल श्रम, दहेज प्रथा, लैंगिक भेदभाव के प्रति जागरूक करना है। इस कार्यक्रम में महादलित विकास मिशन द्वारा गठित किशोर किशोरी समूह के सदस्यों को सामाजिक कुरीतियों के प्रकार और उनके प्रभावों की जानकारी दी गई तथा उनके खिलाफ आवाज उठाने और सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के आयोजक विकास मित्र ने कहा की यह कार्यक्रम हमारे समाज को सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। हमें अपने युवाओं को शिक्षित और जागरूक करने की जरूरत है ताकि वे अपने समाज को बेहतर बना सकें। इस कार्यक्रम में प्रथम संस्था के प्रतिनिधि सुधांशु शेखर ने कहा, "हमें गरीबी और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ लड़ने के लिए एक साथ आने की जरूरत है। सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ और कौशल विकास के लिए जिला में कई संगठन एवं संस्थान कार्यरत है लेकिन ग्रामीणों में जागरूकता की कमी एवं रूढ़िवादी सोच के कारण बच्चे शिक्षा से दूर हो जाते है, जिससे कुछ वर्ग उनका शोषण करने लगता है। इस कार्यक्रम की मदद से हमारे इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी, जिसमें किशोर किशोरी समूह के सदस्य काफी अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस मौके पर अंगारु जबड़ा पंचायत के वीणा किशोरी समूह, सोनू किशोर समूह, तथा आशनाहा पंचायत के अभियुक्त किशोर समूह, मोनिका किशोरी समूह, संबंधित गांव की आंगनवाड़ी सेविका एवं ग्रामीणों ने कार्यक्रम में सम्मिलित हो कर बच्चों को प्रोत्साहित किया था।

जिला पदाधिकारी के द्वारा अंचल अधिकारी को 500 रु० का अर्थदंड किया गया अधिरोपित

दैनिक बिहार पत्रिका/ प्रतिनिधि

बांका:- बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम,2015 के तहत दायर द्वितीय अपील अनन्य संख्या- 523110114082405660 / 2ए नागो तांती बनाम अंचल अधिकारी,बेलहर की सुनवाई में शुक्रवार को अंचल अधिकारी, बेलहर के ससमय उपस्थित नहीं होने के कारण द्वितीय अपीलीय प्राधिकार-सह-जिला पदाधिकारी,बांका के द्वारा 500/- (पांच सौ) रु० मात्र का अर्थदंड अधिरोपित किया गया। साथ ही सभी लोक प्राधिकार को सुनवाई में ससमय उपस्थित रहने का निदेश दिया गया।

दिव्यांगजनों के बीच 5 बैट्री चालित ट्राईसाईकिल एम टी सी एवं 02 ट्राईसाईकिल का किया गया वितरण

दैनिक बिहार पत्रिका/ प्रतिनिधि

बांका:- मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण योजना (संबल) बिहार सरकार की एक योजना है, जिसका मकसद दिव्यांग लोगों के जीवन को बेहतर बनाना है। इस योजना के तहत, दिव्यांग लोगों को वित्तीय सहायता दी जाती है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों के कल्याण हेतु राज्य सरकार द्वारा संचालित दिव्यांगता क्षेत्र की सभी योजनाओं का त्वरित लाभ उपलब्ध कराना, दिव्यांगजनों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उन्हें शारीरिक, सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हुए उनके अधिकारों को सुनिश्चित करना है। इसी कड़ी में प्रभारी मंत्री बाँका जिला द्वारा मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण योजना (संबल) अन्तर्गत दिव्यांगजनों के बीच 5 बैट्री चालित ट्राईसाईकिल एम टी सी एवं 02 ट्राईसाईकिल का वितरण किया गया।

बैठक: मनरेगा एवं आवास योजना को लेकर डीडीसी ने की बैठक

दैनिक बिहार पत्रिका/ प्रतिनिधि

सुपौल।छातापुर प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर स्थित एल एन सभागार में शुक्रवार को डीडीसी सुधीर कुमार ने मनरेगा एवं आवास योजना को लेकर बैठक की। बैठक के दौरान डीडीसी ने योजना कृयान्वयन की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिया। उन्होने आवास सहायक एवं पीआरएस को नियमित रूप से पंचायत में भीजीट करने तथा कार्य प्रगति एवं जीपीएस सिस्टम से फोटो विभागीय साइट पर अपलोड करने को कहा, डीडीसी ने बारी बारी से सभी कर्मियों की क्लास लगाई और अधतन स्थिती से अवगत हुए। कहा कि दायित्व में उदासिनता को बर्दाश्त नही किया जा सकता है। बैठक में बीडीओ डा. राकेश गुप्ता, मनरेगा पीओ कौशल राय मौजूद थे। बैठक के उपरांत डीडीसी ने बताया कि मनरेगा एवं आवास योजना क्रियान्वयन के संदर्भ में बैठक हुई और कई निर्देश दिए गए हैं। आगामी 30 अक्टूबर को पुनः बैठक होगी जिसमें आदेश के अनुपालन की समीक्षा की जायेगी। बताया कि मनरेगा के तहत सभी पंचायत में खेल मैदान बनाया जाना है। इसके लिए सर्वप्रथम भूमि की उपलब्धता आवश्यक है। 28 अक्टूबर तक भूमि चिन्हित कर उसका सत्यापन की तीथि निर्धारित है। जमीन एक एकड़ से अधिक हो या कम दोनों तरह के खेल मैदान निर्माण का मॉडल स्टीमेट विभाग ने उपलब्ध कराया है। मनरेगा में इसके अलावे अन्य जो भी कार्य या गतिविधि चल रहे हैं उसमें अधिकांश पंचायत बेहतर स्थिती में है। आवास को लेकर उन्होने बताया कि आवास स्वीकृति के बाद निर्माण कार्य आरंभ करवाना बडी जिम्मेवारी है। इसके लिए सभी आवास सहायक लाभूकों के घर घर जाकर कार्य आरंभ करवाना सुनिश्चित करेंगे। त्योहारी मौसम में अधिकांश अप्रवासी मजदूर घर लौटे हैं। लिहाजा सहायकों के लिए आवास निर्माण कार्य शुरू करवाने का यह बेहतर मौका है। जिन लाभूकों का कार्य प्लींथ लेवल पर आ जायेगा उन्हे द्वितीय किश्त की राशि तुरंत ही हस्तांतरित करने का निर्देश दिया गया है। बैठक में मनरेगा एवं आवास विभाग के कर्मी शामिल हुए।

दिनकर जी की प्रसिद्ध रचना रश्मिरथी का मंचन

दैनिक बिहार पत्रिका/ प्रतिनिधि

कार्यक्रम का उद्घाटन करते जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक

वैशाली|जिला पदाधिकारी यशपल मीणा एवं पुलिस अधीक्षक हर किशोर राय के द्वारा बिका जेल के नजदीक हाजीपुर के ऑडिटरम मे उद्घाटन किया गया। राष्ट्रकवि दिनकर जयंती के अवसर बिहार के लगभग 20 जिलों में उनकी अलग-अलग रचनाओं का मंचन हो हुआ ।कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार द्वारा वैशाली जिले के बीका सभागार हाजीपुर में रश्मिरथी का मंचन गोरखपुर की संस्था 'दर्पण' द्वारा किया गया। कला ,संस्कृति एवं युवा विभाग पटना, बिहार एवं जिला प्रशासन ,वैशाली के संयुक्त तत्वावधान में रश्मिरथी का मंचन किया गया। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कालजयी कृति है जिसमें महाभारत के महान योद्धा कर्ण के जीवन की कहानी अत्यंत प्रभावी ढंग से प्रस्तुत की गाई । यह नाटक उस समाज को चित्रित करता है ,जिसमें जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानता के बावजूद कर्ण ने अपनी असाधारण शक्ति और साहस से मानवीय गरिमा का परिचय दिया । दर्पण संस्था के 25 कलाकारों द्वारा यह मंचन किया गया। मंचित नाटक में कथा गायक- पिंटू प्रीतम ,नटी एक- आकांक्षा ,नटी दो- अनुप्रिया चौहान, कर्ण- नवनीत जायसवाल ,अर्जुन- अभिषेक सिंह ,युधिष्ठिर -मनोज माही ,भीभ -अजय ठाकुर ,नकुल- राज गुप्ता, सहदेव- सागर चौधरी, दुर्योधन- अविनाश राव ,दुशासन- मृत्युंजय कश्यप ,द्रौपदी- बबीता शर्मा ,धृतराष्ट्र- महेश तिवारी, कृपाचार्य -राकेश कुमार ,विदुर -विजय कुमार सिंह, द्रोणाचार्य और इंद्र दो -शरद श्रीवास्तव , परशुराम इंद्र- एक रवीन्द्र रंगधर ,कुंती- रीना जायसवाल, कृष्ण- राज मौर्य,शल्य- राधेश्याम, प्रहरी प्रदीप सिंह,विशाल शर्मा ने अपनी भूमिका निभाई।रश्मिरथी जिसका अर्थ सूर्य किरण रूपी रथ का सवार है। यह हिंदी के महान कवि रामधारी सिंह दिनकर जिन्हे राष्ट्र कवि के सम्मान से विभूषित किया गया द्वारा रचित प्रसिद्ध खंड काव्य है । यह 1952 में प्रकाशित हुआ था।रश्मिरथी ने भारतीय साहित्य में कर्ण को एक नायक के रूप में प्रतिष्ठित किया है,जो हमेशा न्याय और समानता के पथ पर खड़ा रहा।

जीविका द्वारा सतत् जीविकोपार्जन योजना के अंतर्गत दिया गया 3,10,000 रुपये का सांकेतिक चेक

दैनिक बिहार पत्रिका/ प्रतिनिधि

बांका:- जीविका द्वारा सतत् जीविकोपार्जन योजना के अंतर्गत आज बांका जिले में खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता द्वारा महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शहरी क्षेत्रों की पाँच नई दीदियों को व्यवसायिक सहायता प्रदान की गई, जिसमें उन्हें व्यवसाय की शुरुआत हेतु 3,10,000 रुपये का सांकेतिक चेक दिया गया। कार्यक्रम के दौरान, खेल मंत्री ने पाँच कृषि उद्यमियों को खाद और बीज के लाइसेंस वितरित किए। अब तक, इन कृषि उद्यमियों ने लगभग 74 खाद बीज के लाइसेंस बनवाए हैं और आगे 65 और लाइसेंसों की योजना है।

शिक्षा शास्त्र के नव नामांकित विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा सत्र इंडक्शन मीट का आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका/ प्रतिनिधि

गया।शिक्षा शास्त्र विभाग गया कॉलेज गया में आज शुक्रवार को बी एड सत्र 24 26 में नव नामांकित विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा सत्र इंडक्शन मीट का आयोजन किया गया है इस कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य गया कॉलेज गया प्रोफेसर सतीश सिंह चंद्र विभाग अध्यक्ष शिक्षाशास्त्र विभाग डॉक्टर धनंजय धीरज एवं अन्य शिक्षकों ने संयुक्त रूप से मिलकर किया अपने संबोधन में प्राचार्य प्रोफेसर सतीश सिंह चंद्र ने कहा कि शिक्षक एक विनम्र पेशा है और शिक्षक राष्ट्र के निर्माता कहे जाते हैं तो आप तमाम बी एड में नामांकित विद्यार्थियों का व्यवहार व आचरण एक शिक्षक की मर्यादाओं के अनुरूप होना चाहिए किसी भी अन्य पेशे की तुलना में शिक्षण अत्यधिक सम्मान का पेश है यदि आपके पास शिक्षण कौशलों का ज्ञान है तो शिक्षण से अत्यधिक आनंददाई दुनिया में और कोई दूसरी विद्या नहीं है. हम शिक्षकों को अपने कर्तव्यों के प्रति सदैव जागरूक रहना होगा और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया को अंजाम देना होगा विभाग अध्यक्ष डॉक्टर धनंजय धीरज ने कहा कि कक्षाओं से विद्यार्थियों का पलायन शिक्षा जगत की सबसे बड़ी चुनौती है और इसका मूल कारण है शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया का आनंददाई ना होना शिक्षक के पास यदि विषयगत ज्ञान और शिक्षण कौशल हो तो वह किसी भी कक्षा किसी भी प्रकरण को आनंददाई बना सकता है। कक्षाओं में विद्यार्थियों की उपस्थिति पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की अत्यधिक संख्या में उपस्थित शिक्षक को शिक्षण अधिगम के लिए अभिप्रेरित करती है. नियमित रूप से आप यदि कक्षाओं में अपनी उपस्थिति दर्ज करते हैं तो तो हम आपको इन दो वर्षों में एक वैश्विक शिक्षक बनाएंगे शिक्षा शास्त्र विभाग 2017 से निरंतर इस दिशा में अग्रसर है हमें गर्व है कि हमारे विद्यार्थी देश के नाम चिन संस्थानों में आज नामांकन पा रहे है शोध कार रहे है या नौकरी कर रहे है।सहायक प्राध्यापक डॉक्टर अभिषेक कुमार ने कहा कि समाज में आज कुशल शिक्षकों का घोर अभाव है और शिक्षा शास्त्र विभाग में प्रशिक्षण प्राप्त करके स्वयं को एक कुशल शिक्षक के रूप में में प्रतिस्थापित कर सकते हैं। डॉ अजय शर्मा ने कहा कि शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया में कल का अभूतपूर्व योगदान है और विभाग में कला आधारित शिक्षण पर काफी बल दिया जाता है। डॉ मोहम्मद सादर आलम ने कहा कि शिक्षा तकनीकी आज शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का अभिन्न अंग है विभाग में तकनीकी आधारित शिक्षण अधिगम की भी व्यवस्था है और समय-समय पर विद्यार्थियों को कंप्यूटर शिक्षा से रूबरू होकर शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया को संचालित करने का कौशल भी सिखाया जाता है।इस कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम समन्वयक सहायक प्राध्यापक डॉक्टर आर एन प्रियदर्शनी ने किया धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्राध्यापिका निखत परवीन ने किया है।इस मौके पर शिक्षकोकेतर कर्मचारी मुजाहिद इमाम अहमद अश्वनी कुमार ताजवर नाज मोहम्मद साबिर आदि उपस्थित थे।

पुलिस ने 28.000 लीटर अवैध चुलाई शराब की बरामद

दैनिक बिहार पत्रिका/ प्रतिनिधि

बांका:- अमरपुर थानान्तर्गत कुण्डा पुल के पास से प्र० स० अ० नि० म० नि०, सरस्वती कुमारी के नेतृत्व में अभियुक्त रघुवंश यादव, पे०-चंद्रशेखर यादव, सा०- भीमसेन, थाना-अमरपुर, जिला-बाँका, उम्र 21 वर्ष करीब को एक वाहन पीले एवं काला रंग के हीरो पैसन प्रो मोटरसाईकिल जप्त कर अवैध चुलाई शराब की कुल मात्रा 28.000 लीटर बरामद कर गिरफ्तार किया गया। साथ ही शराब सेवन के आरोप में 04 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर न्यायालय, बाँका के समक्ष पेश किया गया। जहाँ से उन्हें जुर्माना के उपरांत मुक्त कर दिया गया।

जिला निरीक्षण समिति ने किया विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान हाजीपुर का निरीक्षण

दैनिक बिहार पत्रिका/ प्रतिनिधि

वैशाली|शुक्रवार को किशोर न्याय एवं बालकों की देखने की एवं संरक्षण अधिनियम 2015 की धारा 41 के अधीन गठित जिला निरीक्षण समिति द्वारा वैशाली जिला में संचालित विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान हाजीपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण समिति ने अपने निरीक्षण में संस्थान के संचालन को संतोषजनक पाया महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी दत्तक ग्रहण नियमावली 2022 के आलोक में परित्यक्त बच्चों को संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण करने के पश्चात तब तक ग्रहण में दिया जाता है। दत्तक ग्रहण में गए बच्चों के फॉलो अप का दस्तावेजीकरण और बेहतर तरीके से करने का सुझाव दिया गया ।

बीजों के बिक्री में हो रही कालाबजारी को लेकर किसानों करेंगे आंदोलन

दैनिक बिहार पत्रिका/ प्रतिनिधि

कटिहार । बरारी प्रखंड क्षेत्र के सकरेली में बिहार नवनिर्माण संघर्ष मोर्चा के तत्वाधान में किसानों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता बिहार नवनिर्माण संघर्ष मोर्चा के संयोजक बालकृष्ण पटेल के द्वारा किया गया। इस बैठक में दर्जनों किसानों ने भाग लिया। बैठक में किसानों ने खाद एंव बीजो के बिक्री में हो रही कालाबजारी और प्रिंट से अधिक मूल्य लिये जाने पर गहरा आक्रोश प्रकट किया। मोर्चा के संयोजक बालकृष्ण पटेल ने कहा कि खदान विक्रेता के द्वारा मनमानी पर प्रशासन के मौन को उनकी मिलीभगत बताते हुए समस्याओं के यथाशीघ्र समाधान होने तक आंदोलन करने की बात कही। वही किसान बमबम यादव, अखिलेश सिंह,रंजीत सिंह सहित अन्य किसानों ने बताया 2400 प्रिंट है और 2900 से 3400 में बीज मिल रहा है। बीज के दामों में 1000 बढ़ा बाजारों में बेचा जा रहा है। वहीं किसानों ने कहा कि प्रखंड विकास पदाधिकारी से लेकर प्रधानमंत्री तक इस आशय की सूचना आवेदन के माध्यम से देने और मांगो के पूरा न होने पर जोरदार उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी। इस बैठक में रणजीत मंडल, अखिलेश सिंह, रंजीत सिंह, कैलाश प्रसाद मंडल, तबरेज आलम, जोगेंद्र सिंह,दारा सिंह,सुमन मंडल, मो इम्तियाज़ अली, मुस्ताक अहमद, छोटे लाल मंडल, मोतीउर रहमान,बिनोद कुमार विश्वाश,अमित शर्मा, शंकर मंडल शाहिद अन्य लोग मौजूद थे।

उड़ान परियोजना के अंतर्गत चलाया गया जागरूकता कार्यक्रम अभियान

दैनिक बिहार पत्रिका/ प्रतिनिधि

बांका:- महिला एवं बाल विकास निगम, बिहार सरकार, यूनिसेफ के सहयोग से प्रथम संस्था द्वारा उड़ान परियोजना के अंतर्गत बाँका प्रखण्ड के ककवारा पंचायत में सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध में किशोर-किशोरी समूह के नेतृत्व द्वारा उनके टोलों में जागरूकता कार्यक्रम अभियान चलाया गया। किशोरी समूह और किशोर समूह के सदस्यों ने चित्रकारी कर बाल विवाह, बाल श्रम, शिक्षा,दहेज प्रथा, लिंग भेदभाव आदि विषयों पर अपना मन्तव्य रखा। जिसमें समुदाय के लोगों को बाल विवाह, बाल श्रम, शिक्षा, दहेज प्रथा, लिंग भेदभाव विषयों पर जागरूक किया गया तथा उन्हें शपथ भी दिलाया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु संबन्धित पंचायत के विकास मित्र कुमारी सपना भारती, सूरज किशोर समूह और पुष्पप्रिया किशोरी समूह के सदस्य, प्रथम संस्था के जिला समन्वयक पंकज कुमार मौजूद रहे।

महाराष्ट्र में ऐसा फंसा पेच कि खुद अमित शाह खुद कर रहे हैं डील

– पांच 5 सीटों के लिए शिंदे, फडणवीस और पवार आए दिल्ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी के बीच सीट शेयरिंग को लेकर शुरुआती समझौता हो चुका है। अब तक तीनों दलों ने 255 सीटें आपस में बांट ली हैं और सबके खाते में 85-85 सीटें आई हैं। लेकिन अब तक भाजपा की लीडरशिप वाले महायुति ने किसी औपचारिक समझौते का ऐलान नहीं किया है। इस बीच होम मिनिस्टर अमित शाह खुद इस मामले को डील कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में महाराष्ट्र भाजपा के बड़े नेताओं को दिल्ली बुलाकर सीटों पर मंथन किया था। सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के साथ अमित शाह ने कुल 25 सीटों को लेकर मंथन किया। खासतौर पर 5 सीटों को लेकर तीनों दलों के बीच खींचतान देखी जा रही है और कोई भी दावेदारी से पीछे हटता नहीं दिख रहा है। ऐसी स्थिति में अमित शाह खुद ही अजित पवार और एकनाथ शिंदे को समझौते के लिए राजी करने में जुटे हैं। शिवसेना और भाजपा के बीच पालघर, बोईसर और वसई सीट को लेकर खींचतान है। इसी तरह नालासोपारा सीट भी ऐसी है, जहां से दोनों दल लड़ना चाहते हैं। अजित पवार की एनसीपी और भाजपा के बीच वडगांव शहरी, अश्ती और तसगांव सीट पर भी खींचतान है। ऐसी कम से कम 5 सीटें हैं, जिन पर तीनों दल दावा नहीं छोड़ रहे। इसके अलावा कुछ उम्मीदवारों को लेकर भी तीनों दलों के बीच मतभेद हैं। भाजपा ने एनसीपी विधायक नवाब मलिक को टिकट देने का विरोध किया है। भाजपा का कहना था कि नवाब मलिक को टिकट नहीं मिलना चाहिए क्योंकि उनके खिलाफ ईडी ने केस दर्ज किया था और वह जेल भी गए थे। उन पर दाऊद इब्राहिम से लिंक होने का आरोप है। यही नहीं भाजपा के विरोध के बाद अजित पवार पीछे भी हट गए और नवाब मलिक को टिकट नहीं दिया गया। हालांकि भाजपा के विरोध के बीच अजित पवार ने एक नया रास्ता निकाला। नवाब मलिक की बेटी सना को अणुशक्ति नगर विधानसभा से टिकट दे दिया गया। महायुति के लिए एक चिंता की बात यह है कि छगन भुजबल के बेटे समीर ने शिवसेना विधायक सुहास कांडे के खिलाफ नांदगांव से लड़ने का ऐलान कर दिया है। महाराष्ट्र में पीएम नरेंद्र मोदी भी कई रैलियां करने वाले हैं। वह 7 से 14 नवंबर के दौरान सक्रिय रहेंगे। वह भाजपा के अलावा एनसीपी और शिवसेना के उम्मीदवारों के लिए भी वोट मांगेंगे। वहीं अमित शाह ने महाराष्ट्र भाजपा से कहा है कि बागियों को बिठा दें क्योंकि उनके जरिए बड़े नुकसान का डर रहेगा।

फारूक अब्दुल्ला ने पाकिस्तान को फिर सुनाई खरी-खरी, अपने मुल्क की हालात सुधरे

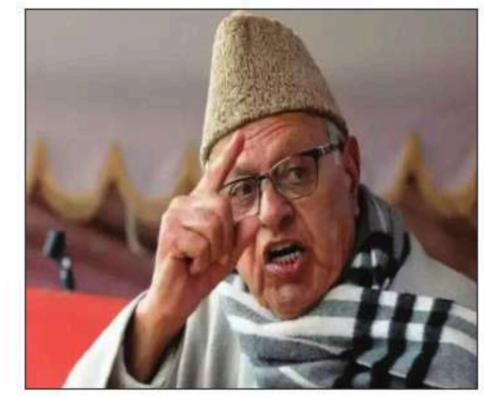

श्रीनगर । नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने गुलमर्ग में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान पर सख्त नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का हिस्सा है और पाकिस्तान को अपनी आंतरिक समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच दोस्ती का रास्ता ढूंढना जरूरी है, ताकि कश्मीर में शांति बहाल हो सके। गुरुवार को आतंकी हमले में दो सैनिक और दो कुली शहीद हो गए थे। अब्दुल्ला ने मारे गए जवानों और कुलियों को श्रद्धांजलि अर्पित कर कहा कि निर्दोष लोगों का मारा जाना बहुत दुखद है। फारूक ने पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को सलाह दी कि कश्मीर में हिंसा फैलाने के बजाय वह अपने हालात सुधारने की कोशिश करे। उन्होंने कहा कि लगातार घुसपैठ और आतंकवाद की घटनाओं से पाकिस्तान खुद बर्बाद हो रहा है और कश्मीर का भविष्य खराब कर रही है। साथ ही उन्होंने भारत सरकार से भी अपील की कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने पर विचार किया जाए ताकि लोगों की भलाई के लिए काम हो सके।

लॉरेंस बिश्नोई असली गांधीवादी हैं, वह भाईचारे का कर रहा प्रतिनिधित्व

–साध्वी प्राची का विवादित बयान : लॉरेंस बिश्नोई को बताया मासूम बच्चा

मुजफ्फरनगर। महाराष्ट्र के एनसीपी के कद्दावर नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या और बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को धमकी देने वाले कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के प्रति हिंदूवादी नेता साध्वी प्राची ने एक अजीबोगरीब बयान दिय है। साध्वी प्राची ने कहा कि लॉरेंस बिश्नोई, जिसे उन्होंने मासूम बच्चा कहा है असली गांधीवादी है और भाईचारे का सही प्रतिनिधित्व कर रहा है। मीडिया से बातचीत में साध्वी प्राची ने कहा कि वह किसी अपराधी का समर्थन नहीं कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बिश्नोई समाज प्रकृति और जीवों की पूजा करता है। गांधीजी भी जीवों के समर्थन में थे और लॉरेंस बिश्नोई भी प्रकृति और जीवों से प्रेम करता है। यही वजह है कि वह सलमान खान के खिलाफ बोल रहा है। साध्वी प्राची ने 19 अक्टूबर को मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय के प्रदर्शन पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि मुजफ्फरनगर को दहलाने की साजिश रची जा रही है और कहा कि 19 अक्टूबर को भी यही साजिश की गई थी।

कर्नाटक में 101 दोषियों को उम्रकैद

कोप्पल । कर्नाटक की कोप्पल जिला अदालत ने गुरुवार को एक साथ 101 दोषियों को उम्रकैद का फैसला सुनाया। यह सामूहिक सजा देश में जाति से जुड़े किसी भी मामले में सबसे ज्यादा है। इन सभी को 28 अगस्त 2014 को गंगावती तालुक के मरकुंबी गांव में जाति आधारित हिंसा के लिए दोषी ठहराया गया था। हिंसा के दौरान 117 लोगों ने दलितों की झोपडियों में आग लगा दी थी। हालांकि 10 साल चली सुनवाई के दौरान 16 दोषियों की मौत हो गई। जस्टिस चंद्रशेखर सी ने इन पर 2000 से 5000 रुपए का जुर्माना भी लगाया है। दरअसल, कोप्पल में दलितों को नाई की दुकानों और खाने-पीने की दुकानों में जाने से रोक दिया गया था। इससे पहले दो जाति के गुटों में झड़प हुई। बाद में यह हिंसक हो गई।

रद्दी बेचकर 3 साल में 1162 करोड रुपए कमाए केंद्र सरकार ने

नई दिल्ली । स्वच्छता अभियान के तहत सरकारी कार्यालय में पड़ी रद्दी को बेचकर सरकार कमाई करती है। दूसरी ओर रद्दी के कारण कार्यालय की जो जगह उपयोग में नहीं आती है ।उसे उपयोग के लिए तैयार किया जाता है। पिछले 3 साल में केंद्र सरकार के कार्यालयों ने रद्दी बेचकर 98 लाख वर्ग फुट कार्यालय के स्पेस खाली किया गया। वही 2021 से लेकर 2023 के बीच में 1162 करोड रुपए की रद्दी से केंद्र सरकार के विभिन्न कार्यालय को कमाई भी हुई है। इस साल केंद्र सरकार ने दिवाली के मौके पर स्वच्छता अभियान चलाकर 100 करोड रुपए की रद्दी बेची है ।दीपावली तक यह अभियान सघनता के साथ चलाया जाएगा। सरकारी कार्यालय में साफ सफाई और सुंदरता बनाए रखने के लिए यह अभियान पिछले कई वर्षों से चलाया जा रहा है।

एक्स प्रोफाइल पर लगाया दाऊद इब्राहिम का फोटो, युवक के खिलाफ मामला दर्ज

नई दिल्ली। एक व्यक्ति के खिलाफ सोशल मीडिया पर दाऊद इब्राहिम का फोटो लगाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले में पुलिस के उपनिरीक्षक की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस थाना के प्रभारी अमित भड़ाना ने बताया कि जब उपनिरीक्षक राहुल प्रताप सिंह गश्त पर थे तो उन्हें जानकारी मिली कि सेक्टर-9 के निवासी जुनैद उर्फ रिहान ने 'एक्स' पर अपने खाते पर दाऊद इब्राहिम की फोटो लगाई है। उन्होंने बताया कि इसको लेकर सोशल मीडिया पर लोगों ने विरोध दर्ज कराया। भड़ाना ने बताया कि आरोपी के खिलाफ सौहार्द बिगाड़ने के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

झारखंड में नक्सलियों एवं सुरक्षाकर्मियों के बीच मुठभेड़, तलाशी अभियान शुरु

पलामू। झारखंड के पलामू जिले में सुरक्षाकर्मियों और नक्सलियों के बीच गुरुवार रात मुठभेड़ हुई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षाकर्मियों ने छतरपुर थाना क्षेत्र में तरवाडीह के निकट जंगल में तलाशी अभियान शुरू किया। सुरक्षाकर्मियों को आते देख प्रतिबंधित टीएसपीसी के नक्सलियों ने उन पर गोलियां चलाना शुरु कर दी, जिस पर सुरक्षाकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की और फिर मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ करीब आधे घंटे तक चली, जिसके बाद नक्सली घने जंगल में भाग गए। इस मुठभेड़ में कोई हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि नक्सलियों की धरपकड़ के लिए सघन तलाशी अभियान जारी है। एसपी ने कहा कि राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जिले के प्रभावित इलाकों में नक्सल विरोधी अभियान चल रहा है।

लॉरेंस के भाई पर 10 लाख का इनाम

जालंधर। गैंगस्टर लॉरेंस के भाई अनमोल बिश्नोई पर नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने 10 लाख रुपए का इनाम रखा है। एजेंसी ने अनमोल पर 2022 में दर्ज 2 मामलों में चार्जशीट दाखिल की है। एनआईए की मोस्ट वांटेड लिस्ट में अनमोल का नाम भी शामिल है। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान के घर पर फायरिंग की जिम्मेदारी अनमोल ने ली थी। इसके साथ पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला और बाबा सिद्दिकी की हत्या मामले में भी उसका नाम सामने आया है। मुंबई क्राइम ब्रांच के मुताबिक 3 संदिग्ध शूटरों ने मर्डर से पहले लॉरेंस के छोटे भाई अनमोल से बात की थी।

चक्रवाती तूफान 'दाना' के बीच गूंजी किलकारियां, 1600 बच्चों का हुआ जन्म

– गर्भवती महिलाओं को राहत केंद्रों पर बने अस्थायी अस्पतालों में किया था शिफ्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा में भीषण चक्रवाती तूफान 'दाना' के तटीय क्षेत्र से टकराया गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक दाना का असर शुक्रवार सुबह तक इसके जारी रहने की संभावना है। इससे पहले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। वहीं, प्रदेश की 4431 गर्भवती महिलाओं को अलग-अलग राहत केंद्रों पर बने अस्थायी अस्पतालों में ले जाया गया। उनमें से 1600 से ज्यादा महिलाओं ने बच्चों को जन्म दिया। चक्रवात दाना के ओडिशा तट से टकराने के बाद कई क्षेत्रों में भारी बारिश और तेज हवाएं चल रही हैं। तूफान ने केंद्रपाड़ा जिले के भितरकनिका और भद्रक के धामरा के बीच करीब 110 किमी प्रति घंटे की हवा की गति से दस्तक दी है। ओडिशा सरकार ने बताया कि कुल 5,84,888 व्यक्तियों को 6,008 आश्रयों में सुरक्षित पहुंचाया गया है। इसके अलावा सहायता के लिए 292 चिकित्सा दल और 155 पशु चिकित्सा दल तैनात किए गए हैं।

ओडिशा के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने कहा कि मुख्यमंत्री को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पिछले दो दिनों में जिन 4431 गर्भवती माताओं को एहतियात के तौर पर प्रसूति गृहों और स्वास्थ्य सुविधाओं में लाया गया था उनमें से करीब 1600 महिलाओं ने अपने नवजात शिशुओं को जन्म दिया है। इसमें यह भी कहा गया है कि राज्य सरकार चक्रवात दाना के प्रभाव से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और बताया कि सीएम मोहन चरण माझी ने पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से टेलीफोन पर बातचीत की।

दिल्ली पुलिस को मिली बड़ी सफलता, लॉरेंस बिश्नोई गैंग के 7 शूटर्स को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने शुक्रवार को पंजाब और आस-पास के राज्यों समेत देश भर के कई इलाकों से लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े सात शूटरों को गिरफ्तार किया। लॉरेंस बिश्नोई फिलहाल गुजरात के साबरमती की जेल में बंद है। वह पंजाबी गायक सिद्धू मूसे वाला की हत्या के मामले में मुख्य आरोपियों में से एक है। एडिशनल सीपी स्पेशल सेल प्रमोद कुमार कुशवाह ने बताया कि स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने सात शूटरों को गिरफ्तार किया है। पहली गिरफ्तारी 23 अक्टूबर को दिल्ली से हुई थी, रितेश की गिरफ्तारी हुई थी। राजस्थान से सुखाराम नाम के शख्स को गिरफ्तार किया गया था। पंजाब के अबोहर और सिरसा से भी गिरफ्तारियां हुई हैं।

एडिशनल सीपी स्पेशल सेल ने आगे बताया कि वे राजस्थान में सुनील पहलवान नामक व्यक्ति की हत्या की योजना बना रहे थे। उन्होंने दो बार रेकी भी की। उनके पास से एक जीपीएस ट्रैकिंग डिवाइस भी बरामद की गई है। उन्हें आरजे बिश्नोई से सीधे निर्देश मिल रहे थे, जो स्वतंत्र रूप से

काम कर रहे हैं, लेकिन वे अतीत में लॉरेंस सिंडिकेट का हिस्सा रहे हैं। लक्ष्य के मामा राजनीतिक पृष्ठभूमि से हैं और उनका व्यवसाय भी है। इसका अभी तक बाबा सिद्दीकी हत्याकांड से कोई लेना-देना नहीं है।

इससे पहले दिन में एनआईए ने लॉरेंस के भाई अनमोल बिश्नोई की गिरफ्तारी में मदद करने वाली सूचना देने वाले को 10 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी। अनमोल पिछले अप्रैल में मुंबई में अभिनेता सलमान खान के आवास के बाहर हुई गोलीबारी की घटना में कथित संलिप्तता के लिए एनआईए की जांच के घेरे में है और उसे एजेंसी की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल किया गया है। अनमोल द्वारा गोलीबारी की घटना की जिम्मेदारी लेने के बाद अप्रैल में उसके लिए लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया था। लारेंस बिश्नोई, गैंगस्टर-आतंकवादी गठजोड़ का एक बेहतरीन उदाहरण है। खतरनाक गैंगस्टर-आतंकवादी गठजोड़ का हिस्सा बिश्नोई को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कई हाई-प्रोफाइल मामलों में नामजद किया है, जिसमें प्रतिबंधित आतंकवादी समूह बब्बर खालसा इंटरनेशनल से उसके कथित संबंध और पाकिस्तान से हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी में संलिप्तता शामिल है। 31 वर्षीय जेल में बंद गैंगस्टर पिछले हफ्ते महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता 66 वर्षीय बाबा सिद्दीकी की हाई-प्रोफाइल हत्या का मामला है, जिसमें वह मुख्य संदिग्ध है। सिद्दीकी की मुंबई में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

बाबा सिद्दीकी के बेटे ने घड़ी पहनी तो अजित पवार दे दिया टिकट का तोहफा

मुंबई (एजेंसी)। वक्त बताने वाली घड़ी का वक्त महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने भांप लिया है। उन्होंने वक्त की नजाकत को देखते हुए दिवंगत एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी को अपनी पार्टी में शामिल कर लिया है। जैसे ही जीशान ने घड़ी पहनी तो उन्हे बिना किसी देरी के विधानसभा चुनाव का टिकट का तोहफा दे दिया। हालांकि जीशान वर्तमान में बांद्रा पूर्व सीट से कांग्रेस के विधायक हैं और इस बार के चुनाव में एनसीपी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। महा विकास अघाड़ी में शामिल शिवसेना (उद्धव ठाकरे) ने बांद्रा पूर्व से वरुण देसाई को टिकट दिया है। इसके अलावा इसके अलावा इस्लामपुर से निशिकांत पाटिल, तासगांव-कवठे महाकाल से संजयकाका रामचंद्र पाटिल, अणुशक्ती नगर से सना मलिक, वडगाव शेरी से सुनील टिंगरे, शिरुर से ज्ञानेश्वर (माउली) कटके और लोहा से प्रताप पाटिल

को टिकट दिया गया है।

बाबा सिद्दीकी के बेटे हैं जीशान

बता दें कि जीशान दिवंगत एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी के बेटे हैं। वह मुंबई युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और बांद्रा पूर्व विधानसभा सीट से विधायक हैं। उनके पिता बाबा सिद्दीकी की दशहरा की रात मुंबई के बांद्रा इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। क्राइम ब्रांच ने बाबा सिद्दीकी हत्या मामले में अब तक 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दो शूटर और हथियार सप्लायर भी शामिल हैं।

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होगा चुनाव

महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों के लिए 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। पिछले चुनाव में बीजेपी को 105, शिवसेना को 56, एनसीपी को 54 और कांग्रेस को 44 सीटें मिली थीं। हालांकि, चुनाव के बाद शिवसेना एनडीए से अलग हो गई और उसने एनसीपी-कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बना ली। शिवसेना के उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने। जून 2022 में शिवसेना में आंतरिक कलह हो गई। इसके बाद एकनाथ शिंदे ने पार्टी के 40 विधायकों को तोड़ दिया। एकनाथ शिंदे बीजेपी के समर्थन से मुख्यमंत्री बन गए। अब शिवसेना दो गुटों में बंट चुकी है। शरद पवार की एनसीपी भी दो गुट- शरद पवार और अजित पवार में बंट गई है।

ज्ञानवापी के पूरे परिसर का नहीं होगा अतिरिक्त एएसआई सर्वे, हिंदू पक्ष की याचिका को कोर्ट ने किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। वाराणसी कोर्ट ने ज्ञानवापी परिसर में अतिरिक्त एएसआई सर्वेक्षण के लिए हिंदू पक्ष की याचिका खारिज कर दी। हिंदू पक्ष के वकील विजय शंकर रस्तोगी ने कहा कि न्यायालय ने संपूर्ण ज्ञानवापी क्षेत्र के संरक्षण के लिए एएसआई द्वारा अतिरिक्त सर्वेक्षण के हमारे आवेदन को खारिज कर दिया है। हम इस निर्णय के खिलाफ 30 दिन के अंदर उच्च न्यायालय जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह निर्णय नियमों और तथ्यों के विरुद्ध है। मैं इससे व्यथित हूँ और इसे ऊपरी अदालत में जाकर चुनौती दूँगा।

रस्तोगी ने दावा किया कि 8.4.2021 के आदेश के अनुसार सर्वेक्षण के लिए एएसआई को 5 सदस्यीय समिति नियुक्त करनी थी, जिसमें एक व्यक्ति अल्पसंख्यक समुदाय का और एक केंद्रीय विश्वविद्यालय का विशेषज्ञ होता। इन सभी को एएसआई सर्वेक्षण करना था। पिछला सर्वेक्षण

एएसआई ने ही किया था। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय ने पुष्टि की थी कि सर्वेक्षण उस आदेश (8.4.2021) के अनुपालन में नहीं था। हम तत्काल आधार पर उच्च न्यायालय जाएँगे।

हिंदू पक्ष के वकील सुभाष नंदन चतुर्वेदी ने कहा कि सिविल कोर्ट ने खारिज कर दिया है और ऑर्डर भी आ गया है। हम इस ऑर्डर के खिलाफ रिवीजन के लिए डिस्ट्रिक्ट कोर्ट जाएंगे। लगभग सभी इलाकों का एएसआई सर्वे पूरा हो चुका है लेकिन कुछ जगहों पर सर्वे बाकी है जहां मशीनें नहीं पहुंच पाईं। इसलिए अतिरिक्त सर्वे की मांग की गई थी। हम सिविल कोर्ट जाएंगे और सफल होंगे। सर्वे होगा... हम सुनिश्चित करेंगे कि मंदिर परिसर के हर इंच का सर्वे हो। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह कोई झटका नहीं है... हमने सारे सबूत पहले ही पेश कर दिए हैं... डिस्ट्रिक्ट कोर्ट है, हाई कोर्ट है, सारे रास्ते अभी खुले हैं।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद राम मंदिर में सांई की मूर्ति देख गौ ध्वज कार्यक्रम किया रद्द

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने राम मंदिर में गौ ध्वज की स्थापना कार्यक्रम रद्द कर सभी को हैरानी में डाल दिया है। इसकी वजह राम मंदिर में साईं बाबा की मूर्ति का होना बताया जा रहा है। शंकराचार्य ने इसके विरोध में राम मंदिर में महायज्ञ में भाग लेने से इनकार कर दिया और अपने कार्यक्रम को जाखू मंदिर में स्थानांतरित कर वहां गौ ध्वज की स्थापित की। अविमुक्तेश्वरानंद का शिमला दौरा गौ ध्वज की स्थापना और महायज्ञ के लिए था, लेकिन राम मंदिर में साईं बाबा की मूर्ति को देख उन्होंने कार्यक्रम का बहिष्कार किया। शंकराचार्य के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी के मुताबिक राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों से साईं बाबा की मूर्ति को हटाने का अनुरोध किया गया था, लेकिन जब मूर्ति नहीं हटाई, तो शंकराचार्य ने वहां जाने से इनकार कर दिया। इसके बाद शंकराचार्य जाखू मंदिर गए जहां उन्होंने गौ ध्वज फहराया और अपने संदेश में कहा कि हिंदू धर्म में पहले से ही 33 करोड़ देवी-देवता हैं और किसी अन्य धर्म के व्यक्ति की मूर्ति का कोई स्थान नहीं है। शंकराचार्य का मानना है कि साईं बाबा की मूर्ति वाले मंदिरों में पूजा नहीं की जानी चाहिए। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद गौ हत्या रोकने और गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए देशभर में जागरूकता फैला रहे हैं। इसी अभियान के तहत उन्होंने शिमला में गौ ध्वज की स्थापना की।

दिल्ली में सत्ता हासिल करने को बेताब भाजपा : केजरीवाल

नईदिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा हर संभव तरीके से दिल्ली में सत्ता हासिल करना चाहती है, ताकि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार द्वारा पिछले एक दशक में किए गए कामों को खत्म किया जा सके। केजरीवाल ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए दिया, जहां उन्होंने भाजपा के इरादों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भाजपा मुफ्त बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी योजनाओं को रोकना चाहती है, जो आप सरकार ने आप सभी के लिए लागू की हैं। केजरीवाल ने चेतावनी देकर कहा कि यदि भाजपा सत्ता में आई, तब दिल्ली में बिजली की कटौती की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जैसे कि उत्तर प्रदेश और हरियाणा में है। केजरीवाल का यह बयान अगले साल फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में आया है, जिसमें आप ने अपनी उपलब्धियों को दर्शाने की कोशिश की है। भाजपा की तरफ से इस मुद्दे पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

उमर सरकार बनाते ही आंतकियों के हौसले बुलंद, 15 दिनों में 19 लोग मारे जा चुके

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला की नई सरकार बनने के साथ ही आतंकी घटनाएं बढ़ गई है। बीते 15 दिनों में आतंकी हमलों में करीब 19 लोग मारे जा चुके हैं। 24 अक्टूबर को हुए गुलमर्ग हमले में दो आर्मी पोर्टर और दो जवान शहीद हो गए, जबकि हालात पर सेना की बढ़ी हुई निगरानी के बावजूद आतंकियों का सेना तक पहुंचना चिंताजनक है।

बीते कुछ हफ्तों में कई आतंकी हमले हो चुके हैं। 20 अक्टूबर को गांदरबल जिले के एक सुरंग निर्माण स्थल पर आतंकियों ने हमला कर 6 बाहरी मजदूरों और एक लोकल डॉक्टर की हत्या कर दी। इसके पहले भी 18 अक्टूबर को शोपियां में एक मजदूर को मार दिया था। इन बढ़ती वारदातों के बीच, एलजी मनोज सिन्हा ने सुरक्षा बलों को सख्त कदम उठाने और पुलिस एवं सेना को मिलकर अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं, लेकिन स्थिति पर नियंत्रण पाना अभी भी चुनौती बनी हुई है।

सुरक्षा बलों ने बारामूला, पुंछ, शोपियां, गांदरबल और अन्य संवेदनशील इलाकों में सर्च ऑपरेशन और सुरक्षा बढ़ा दी है। बीते दिनों एक लापता सैनिक का शव भी अनंतनाग से मिला था, जिसकी पहचान हिलाल अहमद भट के रूप में हुई थी। इस घटना ने भी सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ाई है। उधर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की। वहीं भाजपा के एक नेता ने सुरक्षा हालात सुधरने तक राज्य का दर्जा न देने का संकेत दिया है। माना जा रहा है कि शांति पूर्ण चुनाव और सरकार गठन से पाकिस्तान में स्थित आतंकी संगठन बौखला गए हैं, इससे क्षेत्र में हमलों की घटनाएं बढ़ रही हैं।

केजीएफ 3 को लेकर यश ने साझा की अपडेट

दक्षिण भारतीय अभिनेता यश को प्रशांत नील द्वारा निर्देशित एक्शन हिट फिल्म 'केजीएफ' में अपने प्रदर्शन के लिए बहुत प्यार और सराहना मिली। प्रशंसक इस फ्रेंचाइजी के बहुप्रतीक्षित सीक्वल 'केजीएफ 3' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एक हालिया साक्षात्कार में, यश ने साझा किया कि 'केजीएफ 3' निश्चित रूप से बनेगी, जिसमें वह 'रॉकी भाई' की भूमिका में नजर आएंगे।

'केजीएफ 3' को लेकर कही ये बात

हाल ही में एक बातचीत में, यश ने पुष्टि की कि वह तीसरे भाग को बनाने के लिए प्रशांत के साथ चर्चा कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता ने खुलासा किया कि वह वर्तमान में गीतू मोहनदास की 'टॉक्सिक' की शूटिंग में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, 'मैं वादा करता हूं, हम इसके बारे में बात करते रहेंगे। हमारे पास एक आईडिया है। इसलिए इसे वास्तव में हमारे फोकस की आवश्यकता है।'

'केजीएफ 3' को बेहतर बनाने की कोशिश

रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता ने यह भी कहा निर्माता यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि फिल्म प्रशंसकों और दर्शकों की अपेक्षाओं को पूरा करे, क्योंकि चरित्र और फिल्म दोनों को बहुत प्यार मिला है। इस बार हम कुछ बड़ा लेकर आएंगे।
'केजीएफ : चैप्टर 2' भारत की सबसे सफल फिल्मों में से एक मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल ही में एक चैट में, यश ने पुष्टि की कि वह रणबीर कपूर अभिनीत 'रामायण' में रावण की भूमिका निभाने को लेकर इच्छा जाहिर की है। हालांकि, इस फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।
'केजीएफ : चैप्टर 2' हिंदी क्षेत्र सहित भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई। फिल्म में अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी भी मुख्य भूमिका में थीं।

नायरा बनर्जी

आगामी शो 'चेकमेट' के लिए तैयार

'दिव्य दृष्टि' और 'जुबान संभालकर' जैसे टेलीविजन शो में काम कर लोकप्रिय हुईं अभिनेत्री नायरा बनर्जी ने साझा किया कि उनके अपकमिंग शो में उनका किरदार उनसे काफी मिलता-जुलता है। नायरा बनर्जी तेलुगू, तमिल और कन्नड़ फिल्मों में कई सफल शो देने के बाद अब अपने आगामी शो 'चेकमेट' के लिए तैयार हैं। इस दौरान अभिनेत्री ने शो में आने वाली चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की और कई खुलासे किए। शो रहस्यमय हत्याओं, रोंगटे खड़े कर देने वाले अपराधों और सस्पेंस से भरा है। शो में वह मुख्य महिला की भूमिका निभा रही हैं, जिसमें उनके किरदार का नाम नीलम है। उनका किरदार शो में पति शेखर के साथ घुटन भरे विवाह के बंधन में फंस जाता है। अभिनेत्री ने बताया कि शेखर काफी रहस्यमयी व्यक्ति हैं। नाखुश शादी के इस जाल से बाहर आने का संघर्ष, उनका लचीलापन, ताकत और शक्ति ही शो का सार है। शो के बारे में बात करते हुए नायरा ने कहा 'मेरा मानना है कि यह शो अपने आप में बहुत अच्छी तरह से शूट किया गया है। आज की दुनिया में इस तरह की धोखाधड़ी हमारे समाज में बहुत आम है, लेकिन हम कभी-कभी इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दे पाते हैं या बात नहीं कर पाते हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा कि वास्तव में इस शो के किरदार ने मुझे इस भूमिका को जीवंत बनाने का मौका दिया। दर्शक देख सकते हैं कि शो हर एपिसोड के साथ अपने रहस्य को कैसे उजागर करता है। उन्होंने कहा 'हमें यह सुनिश्चित करने और सीन को सही तरह से करने के लिए कई बातों का ध्यान रखना पड़ा। इन चुनौतियों के बावजूद, मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि परिणाम असाधारण रूप से शानदार रहे।' नायरा ने शो को फिल्माने के दौरान अपने सबसे कठिन शॉट को साझा करते हुए कहा 'मेरा मानना है कि एक रहस्य ड्रामा को फिल्माना अपनी अनूठी चुनौतियों के साथ आता है, क्योंकि दर्शकों के लिए एक रोमांचक और रहस्यपूर्ण अनुभव बनाना हमारी जिम्मेदारी है। सबसे कठिन सीन के बारे में अभिनेत्री ने बताया कि इनमें से सबसे कठिन हत्या का प्रयास वाला सीन था। शो में नायरा बनर्जी के साथ शालीन मल्होत्रा, रोहित खंडेलवाल और अरफीन अल्वी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' में शामिल हुईं वामिका गब्बी?

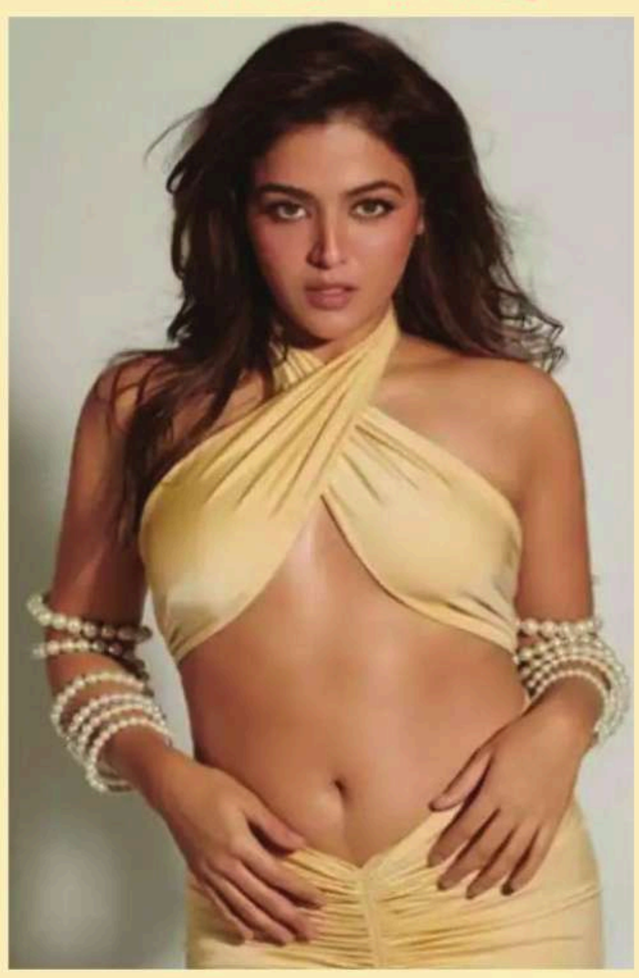

अक्षय कुमार ने अपने जन्मदिन पर हॉरर-कॉमेडी 'भूत बंगला' की घोषणा करके अपने प्रशंसकों को खुश किया। अभिनेता ने एक मोशन पोस्टर भी साझा किया जिसे दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। वहीं, अब फिल्म से जुड़ी नई जानकारी सामने आई रही है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अभिनेत्री वामिका गब्बी फिल्म की टीम में शामिल हो गई हैं।

वामिका गिब्बी हुई शामिल

फिल्म की नायिका के साथ साथ इसकी शूटिंग के बारे में भी दिलचस्प जानकारी सामने आई है। फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू होगी। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वामिका ने डिजिटल दुनिया में अपने काम से सभी को प्रभावित किया है और अब वह बेबी जॉन और भूत बंगला जैसी फिल्मों के साथ थिएटर मीडियम पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने डॉटेड लाइन्स साइन कर ली हैं और भूत बंगला में उनकी भूमिका दमदार है, जो सिनेमा देखने वाले दर्शकों के बीच हंसी का माहौल पैदा करेगी।'

फिल्म के कलाकार

दावा किया गया कि अक्षय और वामिका 'भूत बंगला' में एक अनोखी भूमिका में नजर आएंगे और इस बारे में विस्तृत जानकारी गुप्त रखी गई है। बताया गया है कि वामिका के अलावा फिल्म में दो और महिला कलाकार होंगी। यह हॉरर तत्वों से भरपूर एक कॉमिक कैपर है, जिसमें एक ही घर में तीन लड़कियां हैं। साथ ही परेश रावल, राजपाल यादव और असरानी जैसे पागल कलाकारों की टोली भी है। भूत बंगला के लिए और कास्टिंग चल रही है।

फिल्म का पहला पोस्टर

9 सितंबर को अक्षय कुमार ने मोशन पोस्टर शेयर करते हुए लिखा था, 'साल दर साल मेरे जन्मदिन पर आपके प्यार के लिए धन्यवाद। इस साल का जश्न 'भूत बंगला' के पहले लुक के साथ मना रहा हूं। मैं 14 साल बाद फिर से प्रियदर्शन के साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं। यह ड्रीम कोलेबोरेशन लंबे समय से आ रहा था। इस अविश्वसनीय यात्रा को आप सभी के साथ साझा करने का इंतजार नहीं कर सकता। जादू के लिए बने रहें।' लुक में अक्षय कुमार दूध पीते हुए दिखाई दे रहे थे, जबकि एक काली बिल्ली उनके कंधे पर बैठी थी।

फिल्म की शूटिंग

इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन उम्मीद है कि इसमें काला जादू होगा, जिसमें अक्षय तीन अभिनेत्रियां के साथ काम करेंगे। फिल्म का ज्यादातर हिस्सा हैदराबाद, केरल के एक जंगल, श्रीलंका में शूट किया जाएगा। चर्चा यह भी है कि फिल्म में कियारा आडवाणी, कीर्ति सुरेश और आलिया भट्ट हो सकती हैं।

उर्मिला और मोहसिन अख्तर का रिश्ता टूटने के कगार पर

बालीवुड एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर और उनके पति मोहसिन अख्तर का रिश्ता टूटने के कगार पर है। यह कपल शादी के आठ साल बाद तलाक लेने की योजना बना रहा है। तलाक की खबरों के बीच, उर्मिला मातोंडकर को 21 अक्टूबर को एक इवेंट में पहली बार पब्लिक प्लेस पर देखा गया। इस दौरान उन्होंने पर्पल लॉन्ग स्कर्ट पहनी थी, जिसे गोल्डन ब्लाउज और स्टडेड जैकेट के साथ स्टाइल किया था। उर्मिला इस मौके पर अपनी शादी की अंगूठी नहीं पहनने के लिए चर्चा में रही, लेकिन उन्होंने वहां मौजूद मीडिया से कोई बातचीत नहीं की। सूत्रों के अनुसार, उर्मिला ने लगभग पांच महीने पहले तलाक के लिए अर्जी दी थी। पिछले कुछ समय से, दोनों अलग रह रहे हैं और एक साथ नहीं रह रहे हैं। हालांकि, दोनों के अलग होने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि यह तलाक आपसी सहमति से नहीं हो रहा है। सूत्र ने कहा, सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, उर्मिला ने मोहसिन अख्तर के साथ अपनी शादी को खत्म करने का फैसला किया है। वह पहले ही कोर्ट में तलाक की अर्जी दाखिल कर चुकी हैं। हालांकि, अलग होने के पीछे का कारण अभी पता नहीं चला है, लेकिन यह म्यूच्युल नहीं है। उर्मिला मातोंडकर और मोहसिन अख्तर ने 3 मार्च, 2016 को शादी की थी, जो एक इंटर-फेथ मैरिज थी। उनकी शादी को हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों से कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था। बावजूद इसके, उर्मिला और मोहसिन ने अपने प्यार को साबित करते हुए अपनी शादी को बेहद सम्मान के साथ निभाया। हालांकि, इस समय दोनों के बीच तलाक की प्रक्रिया चल रही है, और उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही वे इस पर कोई आधिकारिक स्टेटमेंट जारी करेंगे। उर्मिला के फैंस इस स्थिति को लेकर चिंतित हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि दोनों के बीच सब कुछ ठीक होगा।

अनिल कपूर का एक फैसला बना चर्चा का विषय

हाल ही में अभिनेता अनिल कपूर को एक पान मसाला के विज्ञापन के लिए 10 करोड़ रुपये का ऑफर मिला था, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। उनका यह फैसला उनके फैंस और फिल्म इंडस्ट्री में चर्चा का विषय बना दिया है। जानकारी के अनुसार, अनिल कपूर ने इस विज्ञापन को अस्वीकार करने का निर्णय अपने फैंस और दर्शकों की सेहत को ध्यान में रखते हुए लिया। उन्होंने कहा कि वे ऐसे उत्पादों का प्रमोशन नहीं करना चाहते हैं, जो उनके दर्शकों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। अनिल कपूर ने हमेशा एक हेल्दी लाइफस्टाइल को बढ़ावा दिया है और उनकी प्राथमिकता अपने फैंस के स्वास्थ्य की सुरक्षा है। अनिल कपूर के इस निर्णय ने उन्हें और भी ज्यादा सम्मानित बना दिया है। उनके फैंस उन्हें सराह रहे हैं और उनकी सोच को सकारात्मक रूप से देख रहे हैं। अनिल कपूर का यह कदम यह दर्शाता है कि वे पैसों से ज्यादा अपने सिद्धांतों को महत्व देते हैं।

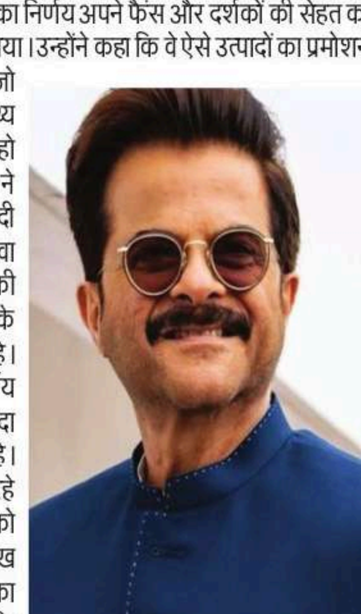

यह बात न केवल अनिल कपूर के फैंस के लिए, बल्कि उन सभी लोगों के लिए एक प्रेरणा है जो अपने स्वास्थ्य और जीवनशैली को लेकर लापरवाह हैं। इसी क्रम में, आर माधवन का नाम भी चर्चा में आया है। उन्होंने इसी साल अगस्त में एक पान मसाला ब्रांड के लिए एंबेसडर बनने का प्रस्ताव ठुकरा दिया था। माधवन ने अपने फैंस के प्रति ईमानदारी बरतते हुए इस ऑफर को अस्वीकार किया, जो उनकी जिम्मेदारी को दर्शाता है। अनिल कपूर और आर माधवन के इस कदम से यह स्पष्ट होता है कि बॉलीवुड में कुछ सितारे अपने दर्शकों की भलाई को प्राथमिकता देते हैं। उनका यह निर्णय एक सकारात्मक संदेश है, जो अन्य सितारों को भी प्रेरित कर सकता है।

कार्तिक आर्यन ने फिल्मी सफर को लेकर किए कई खुलासे

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में कार्तिक रूब बाबा के किरदार में नजर आएंगे। इसी बाच एक इंटरव्यू के दौरान कार्तिक ने बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों पर चर्चा करते हुए कहा कि किसी ने भी उन्हें कभी 500 करोड़ रुपये कमाने वाला निर्देशक नहीं दिया, लेकिन वह इससे संतुष्ट हैं।

कार्तिक आर्यन ने अपने फिल्मी करियर को लेकर कही खास बातें

अभिनेता कार्तिक आर्यन अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी काबिलियत साबित की है। हाल ही में, कार्तिक ने अपने फिल्मी सफर पर खुलासा किया कि उन्हें कुछ भी नहीं दिया गया और उन्हें अपना रास्ता खुद बनाना पड़ा। उन्होंने कहा, फ्रकिसी ने मुझे 500 करोड़ रुपये का निर्देशक नहीं दिलाया, क्योंकि उन्होंने डेब्यू डायरेक्टर्स के साथ काम किया है।'

क्या कभी फिल्मों को लेकर बनाया गया दबाव?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जब कार्तिक से पूछा गया कि क्या कभी उनपर स्त्री 2 और एनिमल के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन और सफलता को लेकर उनके ऊपर दबाव बनाया गया। इस पर कार्तिक ने कहा, फ्रइसके पीछे पूरी मैथ है, जैसे कि टीम क्या है, उनकी पिछली फिल्म कौन सी थी, उनकी अगली फिल्म कौन सी है, दर्शक किसे देखने आ रहे हैं? क्या यह साल की सबसे बड़ी तारीख है, क्या इस दौड़ में कई छुट्टियां हैं? कई तरह के कैलकुलेशन हैं, जिन पर आप और साथ ही इंडस्ट्री भी गौर कर रही है, जब ये चीजें अच्छी तरह से कैलकुलेट हो जाती हैं, तो आप पर इसका दबाव नहीं होता।'

उन्हें अपने अवसर खुद बनाने पड़े

अपने करियर के बारे में बात करते हुए कार्तिक आर्यन ने बताया कि उन्हें कभी भी थाली में परोसी गई कोई चीज नहीं मिली। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने अवसर खुद बनाने पड़े और बताया कि जब उन्होंने शुरुआत की थी, तो उन्हें 500 करोड़ रुपये की फिल्मों के लिए जाने जाने वाले निर्देशक के साथ काम करने का फायदा नहीं मिला। इसके बजाय उन्होंने डेब्यू डायरेक्टर्स के साथ काम किया था।

मैंने किया है डेब्यू निर्देशकों के साथ काम

कार्तिक ने कहा, 'मेरे सफर में, मुझे कभी भी कुछ नहीं मिला। मुझे खुद सबकुछ संभालना पड़ा, कोई भी मेरे पास ऑफर लेकर नहीं आया, जब मैंने शुरुआत की थी, तो किसी ने मुझे 500 करोड़ रुपये का निर्देशक नहीं दिया, मैंने सभी डेब्यू निर्देशकों के साथ काम किया।'

भूल भुलैया 3 में नजर आएंगे

कार्तिक ने माना कि वह बहुत भाग्यशाली नहीं रहे हैं, लेकिन उन्हें पता है कि उनके विकास की संभावना कहां है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह किसी से कोई तुलना या शिकायत नहीं कर रहे हैं, बल्कि उन्होंने कहा कि वे अपनी आने वाली स्थिति से संतुष्ट हैं। कार्तिक ने बताया कि जब वह

पहली बार मुंबई शहर में आए थे, तो उन्हें लगभग कुछ नहीं माना जाता था, लेकिन अब उन्हें पूरे देश में पहचान मिली, जिसे वह आभारी मानते हैं। काम के मोर्चे की बात करें तो कार्तिक जल्द ही इस दिवाली पर भूल भुलैया 3 में तृप्ति डिमरी, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित के साथ हॉरर-कॉमेडी का तड़का लगाते नजर आएंगे।

गुलाब की खेती

भूमिका

गुलाब अपनी उपयोगिताओं के कारण सभी पुष्पों में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। आमतौर पर गुलाब का पौधा ऊंचाई में 4-6फुट का होता है। तने में असमान कांटे लगे होते हैं। गुलाब की 5 पत्तियां मिली हुई होती है। बहुत मात्रा में मिलने वाला गुलाब का फूल गुलाबी रंग का होता है। गुलाब का फल अंडाकार होता है। इसका तना कांटेदार, पत्तियां बारी-बारी से घेरे में होती है। पत्तियों के किनारे दांतेदार होती है। फल मांसल बेरी की तरह होता है जिसे 'रोज हिप' कहते हैं। गुलाब का पुष्पवृन्त कोरिम्बोस, पेनीकुलेट या सोलिटरी होता है।

गुलाब एक भारतीय पुष्प है। पूरे भारत में गुलाब के पौधे पाए जाते हैं। गुलाब का वैज्ञानिक नाम रोजा हाइब्रिडा है। देशी गुलाब लाल रंग का होता है। परन्तु कलम करके कई रंगो के गुलाब उगाए जाते हैं। गुलाब एक ऐसा फूल है, जिसके बारे में सब जानते हैं। गुलाब का फूल दिखने में जितना अधिक सुन्दर होता है। उससे कहीं ज़्यादा उसमें औषधीय गुण होते हैं। यह सबसे पुराना सुगन्धित पुष्प है, जो मनुष्य के द्वारा उगाया जाता था। इसके विभिन्न प्रकार के सुन्दर फूल जो कि आर्कषक, आकृति, विभिन्न आकार, मन को लुभाने वाले रंगों और अपने विभिन्न उपयोगिताओं के कारण एक महत्त्वपूर्ण पुष्प माना जाता है।

गुलाब की उपज भूमि की उर्वरा शक्ति फसल की देखरेख एवं प्रजातियों पर निर्भर करती हैद्ध फूलों का गुण हैं खिलना, खिल कर महकना, सुगंध बिखेरना, सौंदर्य देना और अपने देखने वाले को शांति प्रदान करना। फूलों की इस खूबसूरत दुनिया में गुलाब का एक ख़ास स्थान है क्योंकि इसे सौंदर्य, सुगंध और खुशहाली का प्रतीक माना गया है। तभी तो इसे 'पुष्प सम्राट' की संज्ञा दी गयी है और 'गुले-आप', यानी फूलों की रौनक भी कहा गया है। इस की भीनीभीनी मनमोहक सुगंध, सुन्दरता, रंगों की विविध किस्मों के कारण हर प्रकृति प्रेमी इसे अपनाना चाहता है।

भारत में गुलाब हर जगह उगाया जाता है। बागबगीचों, खेतों, पार्कों, सरकारी व निजी इमारतों के अहातों में, यहाँ तक कि घरों की ग्रह-वाटिकाओं की क्यारियों और गमलों में भी गुलाब उगा कर उस का आनंद लिया जाता है। गुलाब पूरे उत्तर भारत में, खासकर राजस्थान में तथा बिहार और मध्य प्रदेश में जनवरी से अप्रैल तक खूब खिलता है। दक्षिण भारत में खासतौर पर बंगलौर में और महारास्ट्र और गुजरात में भी गुलाब की भरपूर खेती होती है।

गुलाब को घर पर गमले में खिड़की की मंजूषा में, रसोई बगीचे की क्यारी में, आँगन में उगाने के लिए पर्याप्त धूप का होना एक आवश्यक शर्त है। गुलाब को दिन में कम से कम छः से आठ घंटे की खुली धूप होना आवश्यक है। गुलाब के पौधों के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त मिट्टी अच्छी होती है। बहुत चिकनी मिट्टी इसके अनुकूल नहीं होती है। मिट्टी का जल निकास और वायुसंचार सुचारु होना चाहिए। भूमि में हल्की नमी बनी रहना चाहिए। गुलाब को विश्वभर में पसंद किया जाता है। इस पर व्यापक अनुसंधान एवं विकास कार्य किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुलाब प्रेमियों के संगठन हैं, जो नई किस्मों के विकास, परिचिन्हन, मानकीकरण आदि करते हैं। इसके अनुसार पौधों की बनावट, ऊँचाई, फूलों के आकार आदि के आधार पर इन्हें निम्न वर्गों में बाँटा गया है।

गुलाब का व्यवसाय

गुलाब की खेती व्यावसायिक स्तर पर करके काफी लाभ कमाया जा सकता है। गुलाब की खेती बहुत पहले से पूरी दुनिया में की जाती हैद्ध इसकी खेती पूरे भारतवर्ष में व्यवसायिक रूप से की जाती हैद्ध गुलाब के फूल डाली सहित या कट फ्लावर तथा पंखुड़ी फ्लावर दोनों तरह के बाजार में व्यापारिक रूप से पाये जाते हैद्ध गलाब की खेती देश व विदेश निर्यात करने के लिए दोनों ही रूप में बहुत महत्वपूर्ण हैद्ध गुलाब को कट फ्लावर, गुलाब जल, गुलाब तेल, गुलकंद आदि के लिए उगाया जाता हैद्ध गुलाब की खेती मुख्यतः कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्रा, बिहार, पश्चिम बंगाल ,गुजरात, हरियाणा, पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, आंध्रा प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में अधिक की जाती हैद्ध

फूल के हाट में गुलाब के गजरे खूब बिकते हैं। गुलाब की पंखुडियों और शक्कर से गुलकन्द बनाया जाता है। गुलाब जल और गुलाब इत्र के कुटीर उद्योग चलते है। उत्तर प्रदेश में कन्नौज, जौनपुर आदि में गुलाब के उत्पाद की उद्योगशाला चलती है। दक्षिण भारत में भी गुलाब के उत्पाद के उद्योग चलते हैं। दक्षिण भारत में गुलाब फूलों का खूब व्यापार होता है। मन्दिरों, मण्डपों, समारोहों, पूजा-स्थलों आदि स्थानों में गुलाब फूलों की भारी खपत होती है। यह अर्थिक लाभ का साधन है। वहाँ हजारों ग्रामीण युवा फूलों को अपनी आय का माध्यम बना लेते हैं।

गुलाब की किस्में

भारत में उगाई जाने वाली गुलाब की परम्परागत किस्में हैं, जो देश के अलगअलग इलाकों में उगाई जाते हैं, विदेशों से भी अलगअलग किस्में मांगा कर उन का 'संकरण' (2 किस्मों के बीच क्रास) कर के अनेक नई व उन्नत किस्में तैयार की गयी हैं, जो अब अपने देश में बहुत लोकप्रिय हैं।

गुलाब की विदेशी किस्में जर्मनी, जापान, फ्रास, इंग्लैण्ड, अमेरिका, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से मंगाई गयी हैं। भारतीय गुलाब विशेषज्ञों ने देशी किस्मों में भी नयी विकसित 'संकर' (हाईब्रिड) किस्में जोड़ कर गुलाब की किस्मों की संख्या में वृद्धि की है। इस दिशा में दिल्ली स्थित भारती कृषि अनुसंधान संस्थान का अनुसंधान कार्य ख़ास उल्लेखनीय है। दक्षिण भारत में भारतीय बागबानी अनुसंधान संसथान, बंगलौर ने भी किस्मों के विकास और वृद्धि में भरपूर कार्य किया है। मात्र शौक और सजावट के लिये गुलाब का पौधा जब गमले में उगाया जाए तो किस्मों का चुनाव भी उसी के अनुसार किया जाना चाहिए। व्यावसायिक स्तर पर गुलाब की खेती करनी हो तो वैसी ही किस्मों का चयन करें। इस बारे में प्राय÷ सभी बड़ी नर्सरियों में पूरी जानकारी मिल सकती है। दिल्ली में हों तो भारतीय कृषि अनुसंधान पूसा के पुष्प विज्ञान विभाग से उचित जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

वैसे तो विश्व भर में गुलाब की किस्मों की संख्या लगभग 20 हजार से अधिक है, जिन्हें विशेषज्ञों ने विभिन्न वर्गों में बांटा है लेकिन तक्नीकी तौर पर गुलाब के 5 मुख्य वर्ग हैं, जिन का फूलों के रंग, आकार, सुगंध और प्रयोग के अनुसार विभाजन किया गया है, जो इस प्रकार है÷ हाईब्रिड टीज, फ्लोरीबंडा, पोलिएन्था वर्ग, लता वर्ग और मिनिएचर वर्ग।

हाईब्रिड टीज वर्ग

यह बड़े आकार के गुलाबों का एक महत्वपूर्ण वर्ग है, जिस में टहनी के ऊपर या सिरे पर एक ही फूल खिलता है, इस वर्ग की अधिकतर किस्में यूरोप और छीन के 'टी' गुलाबों के 'संकर' (क्रास) से तैयार की गयी है, इस वर्ग की भारतीय किस्में हैं ÷ डा.होमी भाभा, चितवन, भीम, चित्रलेखा, चंद्बंदीकली, गुलजार, मिलिंद, मृणालिनी, रक्त्गंधा, सोमा, सुरभी, नूरजहाँ, मदहोश, डा. बैंजमन पाल आदि।

हाइब्रिड टी (एचटी),इस वर्ग के पौधे बड़े, ऊँचे व तेजी से बढ़ने वाले होते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में अर्जुन, जवाहर, रजनी, रक्तगंधा, सिद्धार्थ, सुकन्या आदि हैं। इनके पुष्प शाखा के सिरे पर बड़े आकर्षक लगते हैं। एक शाखा के सिरे पर एक ही फूल आता है।

फ्लोरीबंडा वर्ग

यह हाईब्रिड टीज और पोलिएन्था गुलाबों के संकर (मिलन) से विकसित किये गए गुलाबों का वर्ग है। इस के फूल उपेक्षाकृत छोटे किन्तु गुच्छों में खिलतें हैं और आकार व वजन में बढ़िया होते हैं। इस वर्ग के फूल गृहवाटिका की क्यारियों और गमलों में ज्यादा देखने को मिलते हैं। इस किस्म की विशेषता है कि इन के पौधे कम जगह में ही उगा कर पर्याप्त

फ्लोरीबंडा, इसके पौधे मध्यम लंबाई वाले होते हैं, इनमें फूल भी मध्यम आकार के और कई फूल एक साथ एक ही शाखा पर लगते हैं। इनके फूलों में पंखुड़ियों की संख्या हाइब्रिड टी के फूलों की अपेक्षा कम होती हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में बंजारन, आम्रपाली, ज्वाला, रांगोली, सुषमा आदि हैं।

ग्रेन्डीफ्लोरा

यह उपरोक्त दोनों किस्मों के संयोग से तैयार किया गया है। गुलदानों में इस वर्ग के फूलों को अधिक पसंद किया जाता है। बड़े स्तर पर खेती के लिए इस वर्ग का अधिक उपयोग किया जाता है। गोल्ड स्पॉट, मांटेजुआ, क्वीन एलिजाबेथ इस वर्ग की प्रचलित किस्में हैं।

पॉलिएन्था

इस वर्ग के पौधों को घरेलू बगीचों व गमलों में लगाने के लिए पसंद किया जाता है। क्योंकि इनमें मध्यम आकार के फूल अधिक संख्या में साल में अधिक समय तक आते रहते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में स्वाति, इको, अंजनी आदि हैं।

मिनिएचर वर्ग

इस के पौधे, पट्टियां और फूल सभी छोटे होते हैं। पौधे कलामों द्वार उगे जाते हैं। यह गमलों, पतियों आदि में उगाने की उपयुक्त किस्म है। गृहवाटिका की क्यारियों के चारों ओर बार्डर लगाने के लिये भी उपयुक्त है। गुलाब के फूल खिलने का मौसम (अक्टूबर से मार्च) में इस किस्म के गुलाब खूब खिलते हैं। विभिन्न रंगों लगते हैं। इन्हें बड़े शहरों में बंगलों, फ्लैटों आदि में छोटे गमलों में लगाया जाना उपयुक्त रहता है, परंतु धूप की आवश्यकता अन्य गुलाबों के समान छः से आठ घंटे आवश्यक है। इस वर्ग की प्रमुख किस्में ड्वार्फ किंग, बेबी डार्लिंग, क्रीकी, रोज मेरिन, सिल्वर टिप्स आदि हैं।

लता वर्ग (क्लैम्बिंग एंड रैंबलिंग रोज)

इस वर्ग के गुलाब के पौधे लताओं के रोप में बढ़ते हैं और पैराबोला पर या दीवार का सहारा पा कर बढ़ते हैं। ये साल में केवल एक बार खिलते हैं।

ये गुलाब की बेल (लता) वाली किस्में हैं। इन्हें मेहराब या अन्य किसी सहारे के साथ चढ़ाया जा सकता है। इनमें फूल एक से तीन (क्लाइंबर) व गुच्छों (रेम्बलर) में लगते हैं। इस की मुख्य किस्में है सदाबहार, समर स्नो, डा.होमी भाभा, मार्शल नील, दिल्ली वाईट पर्ल आदि।

क्लाइंबर वर्ग की प्रचलित किस्में गोल्डन शावर, कॉकटेल, रायल गोल्ड और रेम्बलर वर्ग की एलवटाइन, एक्सेलसा, डोराथी पार्किंस आदि हैं।

गुलाब में जितने रंगों के फूल देखने को मिलते हैं उतने शायद किसी दूसरे फूल में नहीं। यदि सफ़ेद गुलाब हैं तो पीले, लाल, नारंगीलाल, रक्त्लाल, गुलाबी लेवेंडर रंग के दोरंगे, तींरंगे और यहाँ तक कि अब तो नीले और काले रंग के गुलाब भी पाए जाते है।

गुलाब की खेती के लिए जलवायु और भूमि

गुलाब की खेती उत्तर एवं दक्षिण भारत के मैदानी एवं पहाड़ी क्षेत्रों में जाड़े के दिनों में की जाती हैद्ध दिन का तापमान 25 से 30 डिग्री सेंटीग्रेट तथा रात का तापमान 12 से 14 डिग्री सेंटीग्रेट उत्तम माना जाता हैद्ध गुलाब की खेती हेतु दोमट मिट्टी तथा अधिक कार्बनिक पदार्थ वाली होनी चाहिएद्ध जिसका पी.एच. मान 5.3 से 6.5 तक उपयुक्त माना जाता है।

गुलाब की उन्नतशील प्रजातियां

गुलाब की लगभग 6 प्रकार की प्रजातियां पाई जाती है प्रथम संकर प्रजातियां जिसमे कि क्रिमसन ग्लोरी, मिस्टर लिंकन, लवजान, अफकैनेडी, जवाहर, प्रसिडेंट, राधाकृषणन, फर्स्ट लव , पूजा, सोनिया, गंगा, टाटा सैंटानरी, आर्किड, सुपर स्टार, अमेरिकन हेरिटेज आदि हैद्ध दूसरे प्रकार कि पॉलीएन्था इसमे अंजनी, रश्मी, नर्तकी, प्रीत एवं स्वाती आदिद्ध तीसरे प्रकार कि फ़ लोरीबण्डा जैसी कि बंजारन, देहली प्रिंसेज, डिम्पल, चन्द्रमा, सदाबहार, सोनोरा, नीलाम्बरी, करिश्मा सूर्यकिरण आदिद्ध चौथे प्रकार कि गैंडीफलोरा इसमे क्वींस, मांटेजुमा आदिद्ध पांचवे प्रकार कि मिनीपेचर ब्यूटी क्रिकेट, रेड फ्लस, पुसकला, बेबीगोल्ड स्टार, सिल्वर टिप्स आदि और अंत में छठवे प्रकार कि लता गुलाब इसमे काक्लेट, ब्लैक बॉय, लैंड मार्क, पिंक मेराडोन, मेरीकलनील आदि पाई जाती है।

गुलाब के खेतों की तैयारी

सुंदरता की दृष्टि से औपचारिक लेआउट करके खेत को क्यारियों में बाँट लेते है क्यारियों की लम्बाई चौड़ाई 5 मीटर लम्बी 2 मीटर चौड़ी रखते हैद्ध दो क्यारियों के बीच में आधा मीटर स्थान छोड़ना चाहिएद्ध क्यारियों को अप्रैल मई में एक मीटर की गुड़ाई एक मीटर की गहराई तक खोदे और 15 से 20 दिन तक खुला छोड़ देना चाहिएद्ध क्यारियों में 30 सेंटीमीटर तक सूखी पत्तियो को डालकर खोदी गयी मिट्टी से क्यारियों को बंद कर देना चाहिए साथ ही गोबर की सड़ी खाद एक महीने पहले क्यारी में डालना चाहिए इसके बाद क्यारियों को पानी से भर देना चाहिए साथ ही दीमक के बचाव के लिए फ़ालीडाल पाउडर या कार्बोफ्यूरान 3 जी. का प्रयोग करेद्ध लगभग 10 से 15 दिन बाद ओठ आने पर इन्ही क्यारियों में कतार बनाते हुए पौधे व् लाइन से लाइन की दूरी 30 गुने 60 सेंटीमीटर रखी जाती हैद्ध इस दूरी पर पौधे लगाने पर फूलों की डंडी लम्बी व् कटाई करने में आसानी रहती है।

गुलाब की खेती में खाद और उर्वरकों की आवश्यकता

उत्तम कोटि के फूलों की पैदावार लेने के हेतु प्रूनिंग के बाद प्रति पौधा 10 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद मिट्टी में मिलाकर सिंचाई करनी चाहिएद्ध खाद देने के एक सप्ताह बाद जब नई कोपल फूटने लगे तो 200 ग्राम नीम की खली 100 ग्राम हड्डी का चूरा तथा रासायनिक खाद का मिश्रण 50 ग्राम प्रति पौधा देना चाहिएद्ध मिश्रण का अनुपात एक अनुपात दो अनुपात एक मतलब यूरिया, सुपर फास्फेट, पोटाश का होना चाहिए।

गुलाब की देखभाल

गुलाब के लिए सिंचाई का प्रबंधन उत्तम होना चाहिएद्ध आवश्यकतानुसार गर्मी में 5 से 7 दिनों के बाद तथा सर्दी में 10 से 12 दिनों के बाद सिंचाई करते रहना चाहिए। उत्तर प्रदेश के मैदानी भागो में कटाई-छटाई हेतु अक्टूबर का दूसरा सप्ताह सर्वोत्तम होता है लेकिन उस समय वर्षा नहीं होनी चाहिएद्ध पौधे में तीन से पांच मुख्य टहनियों को 30 से 40 सेंटीमीटर रखकर कटाई की जाती हैद्ध यह ध्यान रखना चाहिए कि जहाँ आँख हो वहाँ से 5 सेंटीमीटर ऊपर से कटाई करनी चाहिएद्ध कटे हुए भाग को कवकनाशी दवाओ से जैसे कि कापर आक्सीक्लोराइड, कार्बेन्डाजिम, ब्रोडोमिश्रण या चौबटिया पेस्ट का लेप लगना आवश्यक होता हैद्ध

गमलों के लिये मिट्टी का मिश्रण कुछ इस तरह से रखें। 2 भाग खेत की मिटटी, एक भाग खूब सड़ी गोबर की खाद, एक भाग में सूखी हरी पत्ते की खाद (लीफ मॉल्ड) और लकड़ी का बुरादा मिला लें। सम्भव हो तो कुछ मात्रा में हड्डी का चुरा भी मिला लें। इस से पौधों और जड़ों का अच्छा विकास होता है।

याद रहे कि गमलों में पौधों का रखरखाव वैसा ही हो, जैसी कि क्यारियों में होता है, उन की उचित निराईगुडाई में होता है। मसलन, पौधों को पूरी खुराक मिले, उन की उचित निराईगुडाई और सिंचाई हो, कीट व्याधियों से बचाव हो, गमलों के पौधों को मौसम के अनुसार समय-समय पर पानी दिया जाए और उन की कटाईछंटाई भी की जाए। सप्ताह में एक बार गमलों की दिशा भी अवश्य बदलें और उन के तले से पानी निकलने का चित्र भी उचित रूप से खुला रखें। गुलाब में माहू, दीमक एवं सल्क कीट लगते हैद्ध माहू तथा सल्क कीट के दिखाई देने पर तुरंत डाई मिथोएट 1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में या मोनोक्रोटोफास 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर 2 -3 छिड़काव करना चाहिएद्ध दीमक के नियंत्रण हेतु सिंचाई करनी चाहिए तथा फोरेट 10 जी. 3 से 4 ग्राम या फ़ालीडाल 2त्न धुल 10 से 15 ग्राम प्रति पौधा गुड़ाई करके भूमि में अच्छी तरह मिला देना चाहिए।

गुलाब के फूलों की कटाई

सफ़ेद, लाल, गुलाबी रंग के फूलों की अध् खुली पंखुड़ियों में जब ऊपर की पंखुड़ी नीचे की ओर मुड़ना शुरू हो जायें तब फूल काटना चाहिएद्ध फूलों को काटते समय एक या दो पत्तियां टहनी पर छोड़ देना चाहिए जिससे पौधों की वहाँ से बढ़वार होने में कोइ परेशानी न हो सकेद्ध फूलों की कटाई करते समय किसी बर्तन में पानी साथ में रखना चाहिए जिससे फूलों को काटकर पानी तुरंत रखा जा सकेद्ध बर्तन में पानी कम से कम 10 सेंटीमीटर गहरा अवश्य होना चाहिए जिससे फूलों की डंडी पानी में डूबी रहे पानी में प्रिजर्वेटिव भी मिलाते हैद्ध फूलों को कम से कम 3 घंटे पानी में रखने के बाद ग्रेडिंग के लिए निकालना चाहिएद्ध यदि ग्रेडिंग देर से करनी हो तो फूलों को 1 से 3 डिग्रीसेंटीग्रेट तापक्रम पर कोल्ड स्टोरेज रखना चाहिए जिससे कि फूलों की गुणवत्ता अच्छी रह सके

गुलाब के पौधे गृहवाटिका में मिटटी के गमलों में आसानी से उगे जा सकते हैं, जो कम से कम 30 सेंटीमीटर घेरे के और उतने ही गहरे हों। मिनिएचर गुलाब के लिये 20 से 25 सेंटीमीटर आकार के गमले पर्याप्त हैं। गमलों को स्वच्छ वातावरण में रखा जाए। जैसे ही नयी कोपलें और शाखाएं अंकुरित होने लगें, उन्हें ही सूरज की रोशनी में रखें। दिन भर इन्हें 4-5 घंटे धूप अवश्य मिलनी चाहिए। हाँ, गरमी की कड़कती धूप में 1-2 घंटे ही पर्याप्त हैं।

जब जहाँ भी चारों ओर गुलाब खिलता है तो सब ओर इस की सुरभि व्याप्त हो जाती है। फरवरी-मार्च में गुलाब अपने पूर्ण यौवन और बहार पर होता है। आओ, इसे अपनी गृहवाटिका में उगायें और इस के सौंदर्य और महक का आनंद लें।

गुलाब की खेती के लिए आवश्यक सावधानियां

बरसात के मौसम में गमलों और क्यारियों में बहुत देर तक पानी भरा न रहने दें।

हर साल, पौधों की छंटाई कर, गमले के ऊपर की 2-3 इंच मिट्टी निकाल कर उस में उतनी ही गोबर की सड़ी खाद भर दें।

हर 2-3 साल के बाद सम्पूर्ण पौधे को मिट्टी सहित नए गमले में ट्रांसफर कर दें। चाहें तो गमले की मिट्टी बदल कर ताजा मिश्रण भरें।

यह प्रक्रिया सितम्बर-अक्टूबर में करें।

गुलाब की खेती करने के लिए पौध तैयार करना

आमतौर पर जुलाई-अगस्त में मानसून आते ही गुलाब लगाया जाता है। सितम्बर-अक्टूबर में तो यह भरपूर उगाया जाता है। गुलाब लगाने की सम्पूर्ण विधि और प्रक्रिया अपनाई जाए तो यह फूल मार्च तक अपने सौंदर्य, सुगंध और रंगों से न केवल हमें सम्मोहित करता है बल्कि लाभ भी देता है। जंगली गुलाब के ऊपर टी बडिंग द्वारा इसकी पौध तैयार होती हैद्ध जंगली गुलाब की कलम जून-जुलाई में क्यारियों में लगभग 15 सेंटीमीटर की दूरी पर लगा दी जाती हैद्ध नवम्बर से दिसंबर तक इन कलम में टहनियां निकल आती है इन पर से कांटे चाकू से अलग कर दिए जाते हैद्ध जनवरी में अच्छे किस्म के गुलाब से टहनी लेकर टी आकार कालिका निकालकर कर जंगली गुलाब की ऊपर टी में लगाकर पालीथीन से कसकर बाँध देते हैद्ध ज्यो-ज्यो तापमान बढ़ता है तभी इनमे टहनी निकल आती हैद्ध जुलाई अगस्त में रोपाई के लिए पौध तैयार हो जाती है। पौधशाला से सावधानीपूर्वक पौध खोदकर सितम्बर-अक्टूबर तक उत्तर भारत में पौध की रोपाई करनी चाहिएद्ध रोपाई करते समय ध्यान दे कि पिंडी से घास फूस हटाकर भूमि की सतह से 15 सेंटीमीटर की ऊंचाई पर पौधों की रोपाई करनी चाहिएद्ध पौध लगाने के बाद तुरंत सिंचाई कर देना चाहिए।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267